दैनिक
क्यूँ न लिखूँ सच
प्रातः कालीन
मुरादाबाद से प्रकाशित
बर्षः- 06
अंकः- 166
मुरादाबाद
(Tuesday)
06 October 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

स्विस प्रेसिडेंट का भारत दौरा : पीएम मोदी से गाई पार्मेलिन ने की मुलाकात, दोनों देशों के बीच हुए कई समझौते

स्विस राष्ट्रपति गाई पार्मेलिन सोमवार को तीन दिवसीय भारत दौरे पर पहुंचे। राष्ट्रपति भवन में उनका भव्य स्वागत किया गया और उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहे।पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, भारत और स्विट्जरलैंड दोनों ही लोकतांत्रिक मूल्यों, कानून के शासन, बातचीत और कूटनीति में विश्वास रखते हैं। हम वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए मिलकर काम करना जारी रखेंगे। चाहे यूक्रेन हो या पश्चिम एशिया, भारत ने शांति की दिशा में हर सकारात्मक प्रयास का समर्थन किया है। हम इस बात पर भी सहमत हैं कि बढ़ती वैश्विक चुनौतियों के समाधान के लिए वैश्विक संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता है। मैं स्विस राष्ट्रपति का आभार व्यक्त करता हूं कि वे एक बड़े व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत आए हैं। 7 अक्तूबर को हम इंडिया-ईएफटीए बिजनेस लीडर्स प्रोस्पेरिटी समिट आयोजित करने जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, लोगों के बीच आपसी संबंध हमारी साझेदारी की सबसे बड़ी ताकत हैं। माइग्रेशन एंड मोबिलिटी पार्टनरशिप एग्रीमेंट और यंग प्रोफेशनल्स एग्रीमेंट से स्विट्जरलैंड में भारतीय छात्रों, शोधकर्ताओं, पेशेवरों और युवाओं के लिए कई नए अवसर पैदा होंगे। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, साइंस और टेक्नोलॉजी में सहयोग भी हमारे आपसी सहयोग का एक मजबूत स्तंभ है। मुझे खुशी है कि हम जल्द ही हेल्थ, क्लीन एनर्जी और स्पेस जैसे अहम क्षेत्रों में संयुक्त रिसर्च प्रोजेक्ट शुरू करने जा रहे हैं। भारतीय साइंस स्टार्टअप्स की क्षमता बढ़ाने के लिए, हम ज्यूरिख यूनिवर्सिटी के साथ हुए समझौते का स्वागत करते हैं। योग और आयुर्वेद की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए, हमने इन क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के लिए सकारात्मक बातचीत की।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, भारत-स्विट्जरलैंड की दोस्ती सदियों पुरानी है। आज इनोवेशन, इंफ्रास्ट्रक्चर और एडवांस्ड टेक्नोलॉजी हमारी नींव के मजबूत स्तंभ हैं। आज के शिखर सम्मेलन से हम अपनी साझेदारी को नई गति और नई ऊंचाइयां देंगे। पीएम मोदी ने आगे कहा, हमने स्विट्जरलैंड को भारत के एक्सपोर्ट के लिए मार्केट तक पहुंच बढ़ाने और दोनों देशों के बीच निवेश को और आसान बनाने के लिए कई अहम फैसले लिए हैं। इससे स्विट्जरलैंड को भारत के एग्रीकल्चर, फार्मा, टेक्सटाइल और इंजीनियरिंग सामान का एक्सपोर्ट बढ़ेगा, और हम भारत के बायोटेक, लाइफ साइंसेज, बैंकिंग, इंश्योरेंस, फूड प्रोसेसिंग और सस्टेनेबिलिटी जैसे अहम क्षेत्रों में नया स्विस निवेश आकर्षित करेंगे। इन पहलों के साथ, हम मिलकर पूरी दुनिया के लिए भरोसेमंद सप्लाई चेन और विश्वसनीय समाधान विकसित करेंगे। संयुक्त बयान में, पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, आज हमने मिलिट्री एक्सचेंज और डिफेंस प्रोडक्शन में सहयोग के नए मौकों की पहचान की। हम न्यूक्लियर एनर्जी के क्षेत्र में सहयोग को और गहरा करने पर भी सहमत हुए। वाराणसी का रोपवे, नोएडा का जेवर एयरपोर्ट और पहाड़ों में रेलवे व टनलिंग प्रोजेक्ट्स हमारे इंफ्रास्ट्रक्चर सहयोग के बेहतरीन उदाहरण हैं। इस सहयोग को और मजबूत करने के लिए हमने ट्रांसपोर्ट, मोबिलिटी और इंफ्रास्ट्रक्चर पर एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। हम स्विट्जरलैंड की इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों को भारत में बड़े पैमाने पर निवेश करने और क्षमता-निर्माण, डिजाइन व मैन्युफैक्चरिंग में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित करते हैं।%राष्ट्रपति गाइ पार्मेलिन ने सोमवार को कहा कि भारत की उनकी यात्रा दोनों देशों को जोड़ने वाली घनिष्ठ और दीर्घकालिक साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में एक पहला कदम है। औपचारिक स्वागत समारोह के बाद प्रेस के सदस्यों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति परमेलिन ने कहा, यह दौरा इस बात पर जोर देने का एक उत्कृष्ट अवसर है कि स्विट्जरलैंड और भारत दोनों इस रिश्ते को कितना महत्व देते हैं।%प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और स्विस के राष्ट्रपति गाइ परमेलिन की मौजूदगी में हैदराबाद हाउस में भारत और स्विस परिसंघ के बीच समझौता ज्ञापनों (MoUs) का हुए।

संक्षिप्त समाचार

पटना में प्रदर्शन के दौरान बैरिकेड तोड़ी, पुलिस ने भांजीं लाठियां

बिहार में आज फिर प्रदर्शन का दिन है। सुबह से जुटान हो रहा था। देर हुई, लेकिन अब माहौल बन गया। दरोगा परीक्षार्थियों के इस प्रदर्शन को रोकने के लिए बिहार पुलिस को फिर बल प्रयोग करना पड़ा। बैरिकेड टूटने के बाद हंगामा बढ़ गया।कॅरियर में आगे कोई संकट नहीं हो, इसलिए पहचान छिपाने का संकट। प्रदर्शन भी जरूरी है, ताकि सरकार बात माने। इसी ऊहापोह में छात्र देरी से जुटे। सुबह 11 बजे से ही प्रदर्शन की तैयारी थी, लेकिन जुटान में समय लगा। अब माहौल बन गया और जमकर हंगामा हुआ। दरोगा परीक्षार्थियों का जत्था फिर पटना में मुख्यमंत्री आवास घेरने के लिए निकला तो प्रदर्शनकारियों की आवाज गूंजती रही। रास्ते जाम हो गए। कुल मिलाकर प्रदर्शन के कारण एक बार फिर पटना में पुलिस के लिए असहज स्थिति दिखी। दरोगा अभ्यर्थियों ने बैरिकेड तोड़ दी, जिसपर नियंत्रण के लिए पुलिस ने लाठियां भांजीं। जत्था तितरबितर होकर डाकबंगला चौराहे की ओर बढ़ा। पुलिस ने रोकना शुरू किया, सुरक्षा बढाई- पटना में दरोगा भर्ती परीक्षा को लेकर अभ्यर्थियों का विरोध प्रदर्शन एक बार फिर तेज हो गया है। सोमवार सुबह करीब 11ः30 बजे बड़ी संख्या में दरोगा अभ्यर्थी गांधी मैदान से जेपी गोलंबर की ओर मार्च करने निकले। हालांकि, जेपी गोलंबर के पास पटना पुलिस ने बैरिकेडिंग कर उन्हें रोक दिया। मौके पर पुलिस के साथ बड़ी संख्या में सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं।

आराधना मिश्रा मोना: संगठन में पद महत्वपूर्ण नहीं, हम सभी कांग्रेस के ईमानदार और मजबूत सिपाही, हमारा लक्ष्य एक

उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की नई ज़िम्मेदारी मिलने पर आराधना मिश्रा मोना ने कहा, संगठन में पद महत्वपूर्ण नहीं है, संगठन महत्वपूर्ण है। कल कोई और अध्यक्ष था; आज मैं हूं, और कल कोई और होगा। लेकिन हम सभी कांग्रेस के ईमानदार और मज़बूत सिपाही हैं, और हमारा लक्ष्य एक ही है।उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष पद की नई जिम्मेदारी संभालने के बाद आराधना मिश्रा मोना ने अपनी प्राथमिकताओं पर बात की। उन्होंने स्पष्ट किया कि संगठन में किसी व्यक्ति का पद महत्वपूर्ण नहीं होता, बल्कि संगठन स्वयं सर्वोपरि है। मोना ने कहा कि पार्टी को मजबूत करना और 2027 में गठबंधन सरकार बनाना उनका मुख्य लक्ष्य है।

अपनी नियुक्ति के बाद उन्होंने दिल्ली में मीडिया से बातचीत की। मोना ने कहा कि अध्यक्ष का पद अस्थायी होता है। उन्होंने बताया कि आज वह इस जिम्मेदारी पर हैं, कल कोई और इसे संभालेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि कांग्रेस के सभी कार्यकर्ता ईमानदार और मजबूत सिपाही हैं।इन सभी सिपाहियों का एक ही साझा लक्ष्य है। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर पार्टी के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया। उनका मानना है कि सामूहिक प्रयास से ही पार्टी अपने उद्देश्यों को प्राप्त कर सकती है।मोना ने 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की रणनीति भी बताई। उन्होंने कहा कि उनका मुख्य लक्ष्य राज्य में गठबंधन सरकार बनाना है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह लक्ष्य राहुल गांधी की सभी कार्यकर्ताओं से अपेक्षा है। मोना ने विश्वास व्यक्त किया कि सभी के सामूहिक प्रयासों से यह लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।

रीता बहुगुणा के बाद फिर महिला दांव- उत्तर प्रदेश के राजनीतिक गलियारों में प्रतापगढ़ के रामपुर खास से विधायक और आराधना मिश्रा 'मोना' को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रदेश अध्यक्ष की कमान सौंप कर बड़ा सियासी दांव खेला है। इस राजनीतिक बदलाव के बीच सबसे खास पहलू उनका शैक्षिक बैकग्राउंड और महिला नेतृत्व के तौर पर उनकी उभार है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय से स्नातक और एमबीए की डिग्री हासिल कर चुकीं आराधना मिश्रा की पहचान सूबे की पढ़ी-लिखी और मुखर महिला राजनेताओं में होती है।

पार्टी सूत्रों का मानना है कि उनकी यह अकादमिक पृष्ठभूमि और प्रशासनिक समझ उन्हें अन्य नेताओं से अलग खड़ा करती है। कांग्रेस हाईकमान ने इस नियुक्ति के जरिए एक बार फिर उत्तर प्रदेश में महिला नेतृत्व पर बड़ा भरोसा जताया है। इससे पहले प्रो. रीता बहुगुणा जोशी भी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष की कमान संभाल चुकी हैं, हालांकि पिछले कई वर्ष से वह भाजपा में है।

सीईसी, एसआईआर और बैलेट पेपर: कांग्रेस अध्यक्ष ने याद दिलाईं तीन शर्तें, सरकार से कहा- इससे कम पर समझौता नहीं

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने चुनावी व्यवस्था को लेकर तीन ऐसी मांगें रखीं, जिन पर पार्टी कोई समझौता नहीं करेगी। इनमें मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा, एसआईआर प्रक्रिया रद्द करना और बैलेट पेपर से चुनाव कराना शामिल है।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को चुनावी ढांचे को लेकर पार्टी की ओर से तीन मुख्य मांगें रखी। उन्होंने कहा कि यह मांग ऐसी हैं जिन पर कोई समझौता नहीं हो सकता है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा। स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) को रद्द करना। बैलेट पेपर से चुनाव कराना। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, पार्टी कार्यकर्ता और इंडिया (INDIA) गठबंधन के सहयोगियों के साथ मिलकर इन मांगों के समर्थन में देश भर में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं।खरगे ने लिखा, कांग्रेस पार्टी की तीन मांगें ऐसी हैं जिन पर कोई समझौता नहीं हो सकता। पहली, ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा, दूसरी, एसआईआर को रद्द करना, तीसरी, बैलेट पेपर से चुनाव कराना। इन तीन मुद्दों को लेकर देश भर में कांग्रेस कार्यकर्ता और इंडिया गठबंधन के सहयोगी सड़कों पर हैं। देश भर में अलग-अलग जगहों पर जो भी नागरिक समाज के सदस्य और युवा संगठन इन मुद्दों पर संघर्ष कर रहे हैं, हम उनके साथ खड़े हैं।%खरगे ने राजधानी में महिला पत्रकारों के साथ हुई कथित घटना पर भी चिंता जताई और कहा, दूसरी ओर, भाजपा ने दिल्ली में महिला पत्रकारों को परेशान किया है, जो बहुत निंदनीय है। तानाशाह बहुत घबराया हुआ है। ध्यान भटकाने वाली चालों के एक और अध्याय के लिए तैयार हो जाइए। राजधानी में ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) और अन्य समूहों द्वारा मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ एसआईआर प्रक्रिया को लेकर किए गए विरोध प्रदर्शनों के संदर्भ में आई हैं।

जनता दर्शन: सीएम योगी ने सुनी लोगों की समस्याएं, बोले- घबराइए नहीं, हर समस्या का समाधान कराएंगे

राजधानी लखनऊ में सोमवार को जनता दर्शन में सीएम योगी आदित्यनाथ ने लोगों की समस्याएं सुनीं। कहा कि घबराइए नहीं हर समस्या का समाधान कराएंगे।राजधानी लखनऊ में सोमवार को जनता दर्शन में सीएम योगी आदित्यनाथ ने लोगों की समस्याएं सुनीं। कहा कि घबराइए नहीं हर समस्या का समाधान कराएंगे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को फरियादियों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए।

गुरु पर्व महोत्सव में पहुंचे राजनाथ सिंह, बोले- संस्कृत सिर्फ भाषा नहीं, ज्ञान-विज्ञान का महासागर है

अयोध्या पहुंचे रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सबसे रामलला के दरबार में माथा टेका। इसके बाद रानोपाली पहुंचकर श्रीनारायण राम संस्कृत विद्यालय के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया। रामनगरी अयोध्या पहुंचे रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने पहले रामलला के दरबार में माथा टेका। इसके बाद रानोपाली स्थित उदासीन ऋषि संगत आश्रम पहुंचे। यहां उन्होंने गुरु पर्व महोत्सव के समापन समारोह में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने नवनिर्मित श्रीनारायण राम संस्कृत विद्यालय भवन का लोकार्पण किया। आश्रम परिसर में संत सम्मेलन के साथ जनसभा का आयोजन किया गया। रक्षामंत्री के दौरे को लेकर प्रशासन और पुलिस पूरी तरह मुस्तैद दिखी।इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि संस्कृत शिक्षा की परंपरा को श्रीनारायण संस्कृत महाविद्यालय को और व्यापक एवं विस्तृत करने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ना होगा।

नवनिर्मित भवन केवल विद्यार्थियों के आवास की सुविधा नहीं देगा, बल्कि भविष्य में संस्कृत शिक्षा के बड़े केंद्र के रूप में विकसित हो सकता है। संस्कृत विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वे जीवन का श्रेष्ठ कार्य कर रहे हैं। संस्कृत पढ़ने का संकल्प लेना सौभाग्य की बात है। देवभाषा संस्कृत में ज्ञान, विज्ञान और अध्यात्म की विशाल परंपरा मौजूद है। उन्होंने विद्यार्थियों से संस्कृत के प्रति अपना समर्पण बनाए रखने और भारत के धर्म, साहित्य एवं ज्ञान परंपरा का निरंतर अध्ययन करने का आह्वान किया। राजनाथ सिंह ने कहा कि महाविद्यालय में अध्ययनरत बच्चे ही देश का भविष्य हैं। यही विद्यार्थी संस्कृत की देवभाषा के गौरव को आगे बढ़ाएंगे और भविष्य में संस्कृत तथा भारतीय संस्कृति की सेवा करेंगे। पीढ़ियों तक भारतीय परंपराओं पहुंचाने के संकल्प का प्रतीक है नया भवन- उन्होंने कहा कि आज का दिन आश्रम के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित होगा। नवनिर्मित भवन को देखकर उन्हें प्रसन्नता हुई। यह भवन सामान्य निर्माण नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों तक भारतीय परंपराओं और ज्ञान को पहुंचाने के संकल्प का प्रतीक है। संस्कृत को वैज्ञानिक भाषा बताते हुए राजनाथ ने कहा कि इसके विस्तार में जाएं तो काफी समय लगेगा, लेकिन इसमें ज्ञान-विज्ञान की समृद्ध परंपरा समाहित है। सरकार ने संस्कृत के अध्ययन को आधुनिक शिक्षा से जोड़ने पर विशेष जोर दिया है। संस्कृत और आधुनिक शिक्षा का समन्वय नई पीढ़ी को परंपरा से जोड़ने के साथ भविष्य की जरूरतों के अनुरूप तैयार करेगा। परंपरा को बचाने का सबसे अच्छा तरीका उसे केवल याद करना नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी को उसका ज्ञान और संस्कार देना है।

संपादकीय Editorial

The Comfort of Swallowing the Bitter Sip

All the questions raised about the justification of school mergers and downgrading ultimately lost their arguments in the High Court. This decision bolsters the argument that led to the closure of 774 under-represented schools and the merger of 532 schools, which for the first time severely challenged the relevance of educational institutions.

The court has delivered a ruling that empowers the state government to protect Himachal Pradesh's soil administratively and financially, leaving political decisions behind. This will force a rethink on infrastructural reform and serve as a lesson for future governments.

Clearly, in such legal maneuvering, when the popularity of political decisions becomes a factor, the court's findings provide guidance. Here, too, the court is not merely issuing rulings and directives, but also examining the state's financial situation, unnecessary expenditures, and the potential for improvement in economic priorities. It is not surprising that unnecessary infrastructure should be built across the state.

The total losses of Himachal's public sector undertakings amount to Rs 4,901.51 crore, of which the State Electricity Board alone has a loss of Rs 1,809.61 crore. HRTC's total loss is next, at Rs 1,707.12 crore. Of the 27 boards and corporations, 12 are incurring losses. All this is happening in a state where the debt limit of Rs 47,906 crore in 2018 has now reached Rs 104,729 crore. Clearly, the state is being overextended, and this has become a permanent political practice. We have developed a civil society, system, and political character that simply admires or remains a mute spectator to the exploitation of power, misuse of resources, and government wasteful expenditure. A strange competition is fueling politics with the influence of power, while on the other hand, Himachalis, with their per capita income, are feasting on the state's resources with the teeth of freeloaders.

Undoubtedly, Himachal Pradesh has achieved remarkable heights and overcome the mountainous terrain. It has earned a reputation for excellence in post-independence statistics, but now irrelevant development is being distributed. Ministers want to take the development of their departments home, so election campaigns are being distributed under schemes and projects.

If electric buses are a transportation option in the state, why is their allocation being a result of favoritism at some places and helplessness at others? Converting diesel buses to electric buses saves 12 to 13 rupees per kilometer. If five electric depots are built with this benefit, we will be back to square one in the politics of solutions. However, by acknowledging the need to reform educational institutions, the court has emboldened the government to swallow the bitter pill, but to establish a solid example of holistic development and the path to solutions. Only if the portrayal of entire Himachal in the list of unnecessary institutions becomes non-political, then the address of these destinations will be universally accepted, otherwise today there are twelve loss-making public sector undertakings, tomorrow there will be seventeen.

Expensive Medicines

The Supreme Court has strongly objected to the arbitrary pricing of expensive medicines, especially cancer medicines, calling it "mass slaughter" and "daylight robbery." The Supreme Court described expensive medicines as "mass slaughter."Demands curb the arbitrariness of corporate hospitals. The government has been asked to establish regulations on drug pricing. The Supreme Court once again reacted sharply to the exorbitantly expensive medicines. It termed the sale of cancer medicines at ten times the price as mass slaughter. Earlier, it had called the availability of a cancer medicine worth Rs. 2700 for Rs. 27,000 a daylight robbery. In fact, it cannot be called anything other than robbery.Yesterday, the Supreme Court also said that corporate hospitals are showing no mercy to anyone. It also asked the central government to address why these hospitals are forcing people to buy medicines from their premises. The way Solicitor General Tushar Mehta, representing the Central Government, responded to the Supreme Court's displeasure by stating that a balanced solution was needed, suggests that no thought has been given to this matter. Were our policymakers unaware of how even some life-saving drugs are being sold at exorbitant prices, and that private sector hospitals are unchecked in this regard? The Supreme Court rightly stated that corporate hospitals are not providing any service, but rather operating like an industry. They cannot be given free rein, as they also treat patients under Ayushman Bharat and other government health schemes. The money spent on this is the public's tax money. It would be better if the government, keeping patients' interests in mind, established a system to prevent arbitrary drug prices. It's true that the interests of hospitals and pharmaceutical companies must be considered in this process, as research into new drugs also has its own costs. However, this doesn't mean that they should be allowed to act arbitrarily. Unfortunately, arbitrariness is still prevalent. There's no definitive basis for how pharmaceutical companies determine the prices of their drugs. The current MRP system can be described as nothing more than a sham. It's difficult to understand how medicines, when covered under the Essential Commodities Act, can be allowed to be sold at arbitrary prices. The question also remains: why don't corporate hospitals use Similarly, the question of why profitability isn't established in drug pricing must be answered. At a time when dependence on private hospitals is increasing, arbitrary drug prices must be curbed.

The Opposition Fights Another Losing Battle

The opposition, especially the Congress, is intensifying its campaign against the Special Intensive Revision (SIR) of voter lists and Chief Election Commissioner Gyanesh Kumar. The opposition is campaigning against the Special Intensive Revision (SIR) and the Chief Election Commissioner. The Congress alleges that the names of voters who support it are being removed from the SIR. The author believes that this campaign will fail without public support. The opposition, and especially the Congress, has again intensified its campaign against the Special Intensive Revision (SIR) of voter lists and Chief Election Commissioner Gyanesh Kumar. Some other opposition parties are also supporting it. Although the three Election Commissioners recently met together, largely dispelling the notion that the two Election Commissioners were unhappy with the Chief Election Commissioner's methods, the opposition is not shying away from considering it a major issue.

The opposition is trying to prove that the SIR is deleting the names of voters who are its voters. They are trying very hard to prove this, but they are unable to explain how they know that the people whose names are allegedly being deliberately removed from the voter list actually vote for them.

The campaign against SIR was launched as soon as this process began in Bihar. Congress and opposition parties protested against SIR from Delhi to Patna, and Rahul Gandhi even led a Voter Rights Yatra in Bihar with Tejashwi Yadav. But the people of Bihar did not take notice of the fact that their voting rights were being curtailed. The campaign against SIR in Bihar was also fueled by Congress leader Shakeel Ahmed's statement that if the names of 6.5 million voters were wrongly deleted, why did not even 65 people come out on the streets to say that they were alive and valid voters, yet their names were removed from the voter list?

SIR was subsequently launched in Bengal, Tamil Nadu, Puducherry, Kerala, and Assam. While it faced opposition in Bengal, there was no significant reaction in other states.

Of these states, the newly formed party TVK won in Tamil Nadu, and the Congress in Kerala. After the elections, senior Kerala Congress leader Ramesh Chennithala stated that the SIR process was very helpful, removing bogus votes associated with dead individuals and the CPI(M), ensuring fair elections. Subsequently, when the SIR process began in other states and reports emerged of over 20 million votes being rejected in Uttar Pradesh, SP chief Akhilesh Yadav stated that this would result in a loss of approximately 61,000 votes for the BJP in each seat.

If there are any questions about the SIR process anywhere, it is in Bengal. The cases of 3.7 million people here need to be determined whether they are valid voters. Their hearings are proceeding at a slow pace, which is a matter of concern. However, the Supreme Court is cognizant of the matter and is currently hearing it. There is no denying that the SIR process is complex and prone to numerous errors. Additionally, people are facing difficulties in providing old details and necessary documents. However, there is no evidence from the general public that this process is leading to vote theft, as the opposition parties, especially the Congress, are propagating.

It is also noteworthy that the Supreme Court has repeatedly upheld the SIR, but the opposition is unperturbed. It is not willing to listen to the Supreme Court either. The Election Commission states that the names removed from the voter list belong to the deceased, displaced persons, or those whose names were registered in two places, but the opposition is unwilling to accept this. It believes that the slogan of vote theft is appealing to the public and that it will be able to reap political benefits from its campaign against the SIR,

but the chances of this happening are slim. It is highly likely that just as the allegations of bribery in the Rafale deal had no effect, the slogan of vote theft will also prove to be ineffective.

If Rahul Gandhi is to be believed, vote theft has been occurring since the 2024 Lok Sabha elections. But if that's the case, how did the BJP, which had promised to surpass 400, end up with only 240 seats, and the Congress with 99? It's no surprise that the campaign against SIRs has proved as futile as the one against EVMs. In reality, no campaign can benefit any political party without the support of the general public. Until the public believes that the names of legitimate voters are being deleted in a way that harms the opposition, no matter how much the Congress and other parties rant and rave, they won't succeed. Perhaps the Congress is aware of this, and that's why, in frustration, its workers, along with abusing the Chief Election Commissioner, are going to his ancestral home in Agra and painting derogatory slogans there. Similarly, they are targeting his IAS daughter, who is the District Magistrate of Gautam Buddha Nagar. It would be better if the opposition keeps in mind that if aggression on any issue turns into indecency, it has the opposite effect.

A New Threat to Aircraft

On a FlyDubai flight from Dubai to Tel Aviv, an Omani co-pilot attacked Indian pilot Smit Machar and attempted to bring down the plane. Smit Machar displayed courage and saved the lives of over 170 passengers. An Omani co-pilot attacked an Indian pilot on a Dubai-Tel Aviv flight.Indian pilot Smit Machar displayed indomitable courage and saved the lives of over 170 passengers. This incident raises serious questions about global aviation security protocols. The way the Omani co-pilot attacked Indian pilot Smit Machar and attempted to bring down the plane on a FlyDubai flight from Dubai to Tel Aviv has raised serious concerns for the aviation industry, similar to those raised by the 9/11 terrorist attacks. In the 9/11 attacks, terrorists entered the cockpits, overpowered the pilots, and crashed the planes into the World Trade Center in New York and the Pentagon in Washington.The co-pilot of the Fly Dubai flight turned out to be armed with terrorist intentions. He not only injured the main pilot but also engaged in tampering with the plane's engine. His actions clearly indicate his terrorist status. He either wanted to bring down the plane or take control of it and crash it into a building.If the Indian pilot had not displayed indomitable courage and presence of mind in extremely difficult circumstances and opened the cockpit door, the Omani pilot could have succeeded in repeating the events of 9/11. Without the cockpit door being unable to open, the Israeli passengers and pilot on board would have been unable to do anything, and a horrific incident would have occurred. It is natural that Indian pilot Smit, who saved the lives of over 170 passengers, is being hailed as a hero worldwide. By risking his own life, he has brought honor to his profession and India. However, this incident may also force the aviation industry.

मुरादाबाद में तेंदुए का खौफ: कांठ में गन्ने के खेतों में फिर दिखे चार खूंखार, धनौरा में बाइक सवार पर हमला

कांठ और छजलैट क्षेत्र के गांवों में तेंदुओं की दहशत बढ़ गई है। समदगढ़ सिकंदराबाद में दो, रामनगर रम्पुरा में एक और भरतपुर में एक तेंदुआ नजर आया।

ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचना देकर पिंजरा लगाकर तेंदुओं को पकड़ने की मांग की है।ठाकुरद्वारा के बाद अब कांठ और छजलैट के गांव तेंदुओं की दहशत में हैं। शनिवार की शाम को कांठ क्षेत्र में गन्ने के खेतों में चार तेंदुए नजर आए। समदगढ़ सिकंदराबाद में फिर दो तेंदुए नजर आने से दहशत बढ़ गई है। वहीं रामनगर उर्फ रम्मपुरा में नलकूप के पास एक तेंदुआ नजर आया।

वहीं भरतपुर में गन्ने के खेत पास तेंदुआ दिखा है। ग्रामीणों द्वारा वन विभाग को सूचना दे दी गई। वन अफसरों ने कहा है कि जिन स्थानों पर तेंदुए नजर आ रहे हैं वहां पिंजरा लगवाया जाएगा। पिछले कुछ दिनों से ठाकुरद्वारा में तेंदुए दिखने कम हो गए हैं। लेकिन अब कांठ क्षेत्र में इनकी संख्या बढ़ने लगी है।रामनगर उर्फ रम्पुरा निवासी संजय ढाका ने बताया कि गांव से फूलपुर मिठ्ठनपुर को जाने वाले रास्ते पर रम्पुरा निवासी संजीव सिंह का नलकूप है। नलकूप के पास देर शाम एक तेंदुआ बैठा दिखाई दिया। गांव के ही युवकों ने मोबाइल से उसकी वीडियो बना ली।

वीडियो को पुलिस और वन विभाग को भेजा गया है। रामनगर उर्फ रम्पुरा निवासी जितेंद्र सिंह, विजेंद्र सिंह, मास्टर संजीव कुमार, अंगद चौधरी, मोनू, राजेंद्र सिंह, सतपाल सिंह आदि ग्रामीणों ने तेंदुए को पकड़ने की मांग वन अफसरों से की है।

समदगढ़ सिकंदराबाद में कुछ दिन पहले ही एक नलकूप की कोठरी पर तीन तेंदुए दिखे थे। अब फिर यहां दो तेंदुए दिखने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई है। ग्रामीणों ने अकेले खेतों पर जाना बंद कर दिया है। भरतपुर गांव के जंगल में भी एक तेंदुआ देखा गया है। ग्रामीणों ने बताया कि गन्ने के खेत के पास तेंदुआ बैठा हुआ था।धनौरा में बाइक सवार ग्रामीण पर तेंदुए ने किया हमला- शनिवार की शाम को तेंदुए ने बाइक सवार संसारपुर निवासी सीताराम (34) पर हमला कर दिया। शोर-शराबा सुनकर लोग दौड़े तो तेंदुआ भाग गया।

इस हमले में सीताराम घायल हो गए। उन्हें धनौरा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया था। जहां से उपचार के बाद घर भेज दिया गया। परिजनों ने बताया कि सीताराम पड़ोस के गांव शहजादपुर से लौट रहे थे। शाम को समय गांव के पास खेतों के करीब पहुंचे तो तेंदुए ने हमला किया था। छजलैट के रामनगर उर्फ रम्पुरा में तेंदुआ दिखाई देने के संबंध में एक वीडियो और सूचना प्राप्त हुई है। टीम को मौके पर भेजकर जांच कराई जाएगी। साथ ही यहां भी पिंजरा लगाया जाएगा। ग्रामीणों से अपील है कि वह सतर्क और सुरक्षित रहें। तेंदुआ दिखाई देने पर उसे परेशान न करें। - पुष्पेंद्र सिंह, डिप्टी रेंजर, वन विभाग, कांठ

भाजपा में हर नेता का गुट, दांव पर इन सीटों की बाजी, पार्टी में बढ़ रही खेमेबंदी; तेजी से बदल रहे समीकरण

यूपी के मुरादाबाद जिले में भाजपा में हर नेता का गुट अपना है। जिले में भाजपा की सियासत में तेजी से समीकरण बदल रहे हैं। पार्टी के भीतर चर्चा है कि प्रदेश की राजनीति में एक बड़े नेता का प्रभाव कम होने से भी जिले में गुटबाजी बढ़ने लगी है। यूपी विधानसभा चुनाव करीब आ गए हैं लेकिन जिले में भाजपा गुटबाजी से जूझ रही है। पार्टी के जनप्रतिनिधि से लेकर पदाधिकारी तक गुटों में बंटे हैं। जैसे-जैसे पार्टी के भीतर टिकट के दावेदार बढ़ रहे हैं, वैसे-वैसे गुटों की संख्या भी बढ़ रही है।

हालात ऐसे हो गए हैं कि कार्यक्रमों में एक नेता को बुलाओ तो दूसरा नाराज हो जाता है, जिससे कार्यकर्ता पशोपेश में फंस जाते हैं।

यह हाल तब है जब विधानसभा चुनाव में जिले की छह सीटों पर पार्टी की साख दांव पर है, क्योंकि पिछले चुनाव में भाजपा जनपद की छह में से महज शहर सीट ही जीत सकी थी। ऐसे में पार्टी के भीतर हर नेता का अपना गुट 2027 की चुनावी संरचना पर भारी पड़ सकता है। 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को जिले की छह में से नगर क्षेत्र की इकलौती सीट मिली थी, वह भी मामूली अंतर से। इससे पूर्व 2017 के चुनाव में भाजपा ने नगर के साथ कांठ सीट पर भी जीत दर्ज की थी। पार्टी में 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी तेज हो गई है लेकिन जैसे-जैसे चुनाव का समय नजदीक आ रहा है वैसे-वैसे पार्टी के भीतर खेमे बढ़ते जा रहे हैं।महानगर की टीम सबसे ज्यादा गुटबाजी का शिकार है। यहां पार्टी के हर जनप्रतिनिधि और पदाधिकारी की खेमेबंदी चर्चा में है। नगर विधायक रितेश गुप्ता, मेयर विनोद अग्रवाल, महानगर

अध्यक्ष गिरीश भंडूला, जिलाध्यक्ष आकाश पाल, एमएलसी सत्यपाल सैनी, गोपाल अंजान, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. शैफाली सिंह के अलग-अलग खेमे हैं।निर्वाचन क्षेत्र कुंदरकी होने से रामवीर सिंह को भले ही लोग महानगर टीम का हिस्सा न मानें लेकिन शहर में उनके दखल और सक्रियता के कारण उनके समर्थकों का एक अलग खेमा भी गिनाया जाता है। अलग-अलग गुटों की चर्चाओं के बीच नगर विधायक रितेश गुप्ता और मेयर विनोद अग्रवाल की आपसी सियासी खींचतान जगजाहिर हो चुकी है।चर्चा है कि कुछ दिन पहले महानगर के मोर्चों के अध्यक्ष के लिए तीन-तीन नाम कमेटी के सामने रखे गए थे। इसे लेकर भी इन दोनों जनप्रतिनिधियों में सहमति नहीं बन पाई थी। हालांकि बाद में महानगर प्रभारी प्रमेंद्र जांगड़ा ने आपसी सहमति बनवाने में कामयाबी पा ली थी।दूसरी ओर कुंदरकी विधायक रामवीर सिंह और जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. शैफाली सिंह के बीच राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता भी किसी से नहीं छिपी है। दोनों गुट एक-दूसरे के खिलाफ कोई मौका नहीं छोड़ते। पार्टी के बड़े नेता गुटबाजी और सियासी खींचतान का कारण टिकट की दावेदारी को भी मान रहे हैं।कहा जा रहा है कि नगर सीट पर दावेदारों की बढ़ती संख्या गुटबाजी को और बढ़ा रही है। इस सीट से रितेश गुप्ता के अलावा महानगर अध्यक्ष गिरीश भंडूला और भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष प्रिया अग्रवाल को भी प्रबल दावेदार माना जा रहा है।चर्चाओं में रही डीएम-एसएसपी और विधायक की मौजूदगी में पार्षदों की बैठक-पिछले महीने (12 सितंबर) को पुलिस लाइन में हुई एक बैठक चर्चाओं में रही थी। इस बैठक में नगर विधायक रितेश गुप्ता के साथ नगर निगम के पार्षद शामिल हुए थे। यह बैठक निवर्तमान डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया और एसएसपी सतपाल अंतिल की मौजूदगी में हुई थी।इसमें पार्षदों ने अधिकारियों को वार्डों की समस्याओं से अवगत कराया था। बाद में विधायक ने बैठक की फोटो सोशल मीडिया पर पोस्ट की थी। इस बैठक में मेयर विनोद अग्रवाल के न होने की खूब चर्चा रही।भाजपा की सियासत में तेजी से बदल रहे समीकरण-जिले में भाजपा की सियासत में तेजी से समीकरण बदल रहे हैं। पार्टी के भीतर चर्चा है कि प्रदेश की राजनीति में एक बड़े नेता का प्रभाव कम होने से भी जिले में गुटबाजी बढ़ने लगी है।इस नेता के करीबियों को पहले प्रदेश और फिर क्षेत्रीय कार्यकारिणी से किनारे किया गया। किनारे हुए करीबियों को जिला प्रभारियों में भी जगह नहीं मिल सकी। इसी का नतीजा है कि अब हर नेता अपना गुट बनाने में जुट गया है।

कमेटियों के गठन से लेकर कार्यक्रमों तक में दिख चुकी खेमेबंदी- भाजपा में कमेटियों के गठन से लेकर कार्यक्रमों तक में खेमेबंदी दिख चुकी है। मुरादाबाद में सीएम के कार्यक्रम में क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर की उपेक्षा की गई।

वहीं, होर्डिंग पर प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश यादव की तस्वीर को सफेद कागज से ढक दिया गया था। इसे पार्टी के भीतर की गुटबाजी से जोड़कर देखा गया था। इससे पहले जिले और महानगर कमेटियों के गठन में खुलकर गुटबाजी दिखी थी।

पार्टी में गुटबाजी जैसी कोई बात नहीं है। जनप्रतिनिधि हों या पदाधिकारी, सभी के साथ समन्वय बनाकर काम किया जा रहा है। हर मुद्दे पर सहमति बनाई जा रही है। आपसी संवाद की कमी को दूर किया जा रहा है। - प्रमेंद्र जांगड़ा, महानगर प्रभारी- प्रदेश कार्यालय पहुंचा महानगर अध्यक्ष के खिलाफ शिकायतों का पुलिंदा- भाजपा महानगर अध्यक्ष गिरीश भंडूला के खिलाफ करीब 26 बिंदुओं पर की गई शिकायतों का पुलिंदा प्रदेश कार्यालय पहुंच गया है। यह शिकायत महानगर के पूर्व मीडिया प्रभारी राहुल सेठी ने की थी। उन्होंने पार्टी से इस्तीफा देकर महानगर अध्यक्ष पर कार्यकर्ताओं की अनदेखी, संगठनात्मक गतिविधियों में निष्क्रियता और परिवारवाद जैसे गंभीर आरोप लगाए थे।

ये घटना भी बता रही है कि पार्टी के भीतर सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। सियासी खींचतान के बीच पिछले दिनों पूर्व मीडिया प्रभारी राहुल सेठी ने महानगर अध्यक्ष पर आरोपों की झड़ी लगा दी थी। उन्होंने महानगर कार्यकारिणी में परिवारवाद और पदाधिकारियों के चयन पर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि बूथ, शक्ति केंद्र और मंडल स्तर पर बैठकों और संवाद की कमी है। वरिष्ठ व पुराने कार्यकर्ताओं की उपेक्षा की जा रही है। उन्होंने प्रदेश से मिली सामग्री के वितरण में देरी, फार्म-6 और मतदाता सूची के कार्य में लापरवाही का आरोप लगाया है।उन्होंने इसकी शिकायत भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश प्रभारी, प्रदेश महामंत्री संगठन, क्षेत्रीय प्रभारी और क्षेत्रीय अध्यक्ष से की है। हालांकि, महानगर अध्यक्ष गिरीश भंडूला खुद से जुड़े इन आरोपों बेबुनियाद बता चुके हैं।

संक्षिप्त समाचार

सरकारी अस्पतालों से रूठा प्रसूताओं का भरोसा, पांच साल में प्रसव 40 से घटकर 17.8 फीसदी

पांच साल में मुरादाबाद जिले में संस्थागत प्रसव 80.3 से बढ़कर 88.5 फीसदी हुआ, लेकिन सरकारी अस्पतालों में प्रसव 40 से घटकर 17.8 फीसदी रह गया। निजी अस्पतालों में प्रसव बढ़ने के साथ सिजेरियन भी 22.5 से बढ़कर 39.7 फीसदी हो गया।मुफ्त दवाएं, मुफ्त जांच और सुरक्षित प्रसव के बाद भी सरकारी अस्पतालों की चौखट से अब प्रसूताओं का भरोसा रूठने लगा है। स्वास्थ्य महकमे के दावों को धता बताते हुए प्रसूताएं अब महंगे निजी अस्पतालों की शरण ले रही हैं। जिलेभर में प्रसव के लिए अस्पताल पहुंचने वाली महिलाओं की संख्या बढ़ी है लेकिन सरकारी अस्पतालों से प्रसव कराने का भरोसा तेजी से घटा है।स्वास्थ्य विभाग के सर्वे के हालिया आंकड़ों के मुताबिक यह बड़ा बदलाव सामने आया है। पांच साल में संस्थागत प्रसव का आंकड़ा 80.3 से बढ़कर 88.5 फीसदी हो गया लेकिन सरकारी अस्पतालों में होने वाले प्रसव 40 फीसदी से घटकर सिर्फ 17.8 फीसदी रह गए।यानी अस्पताल में होने वाले प्रसव में सरकारी अस्पतालों की हिस्सेदारी आधे से भी कम हो गई। वर्ष 2019-21 और वर्ष 2023-24 के आंकड़ों की तुलना में यह बदलाव साफ दिखाई देता है। निजी अस्पतालों में प्रसव का प्रतिशत 39.7 फीसदी दर्ज हुआ है। वहीं कुल संस्थागत प्रसव 88.5 फीसदी हैं।इससे संकेत मिलता है कि अस्पताल में प्रसव कराने का चलन तो बढ़ा लेकिन सरकारी संस्थानों की हिस्सेदारी उस गति से नहीं बढ़ सकी। प्रसव के तरीके में भी बड़ा अंतर सामने आया है। जिले में कुल प्रसव में सिजेरियन की हिस्सेदारी 39.7 फीसदी पहुंच गई है, जबकि चार साल पहले तक यह 22.5 फीसदी थी। पांच साल में सिजेरियन प्रसव में 17.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। निजी अस्पतालों में सिजेरियन प्रसव का आंकड़ा 53.4 फीसदी है। इसके उलट सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में सिजेरियन प्रसव 11.3 फीसदी रहे। गर्भावस्था के दौरान पहली तिमाही में जांच कराने वाली महिलाओं का प्रतिशत 73.7 से घटकर 70.8 फीसदी रह गया। मां और बच्चे की देखभाल से जुड़े कुछ संकेतक भी घटे हैं। प्रसव के बाद नवजात को टिटनेस से सुरक्षा मिलने का आंकड़ा 95.1 से घटकर 92.3 फीसदी और मां-बच्चे को मिलने वाले एमसीपी कार्ड का कवरेज 97.6 से घटकर 91.6 फीसदी हुआ है। सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर प्रसव बढ़ाने के लिए टीम को लगातार प्रेरित किया जा रहा है। पिछले कुछ महीनों में इसके परिणाम भी सामने आए हैं। अधिकांश लोगों के पास स्वास्थ्य बीमा होना व निजी अस्पतालों की संख्या ज्यादा होना भी इसका कारण है। हमारा प्रयास है कि सभी प्रसव अस्पतालों में हों। एक भी प्रसव घर पर न हो। -डॉ. कुलदीप सिंह, सीएमओ

अप्रैल से अगस्त 2026 तक सरकारी व निजी अस्पतालों में हुए प्रसव

ब्लॉक	सरकारी अस्पताल	निजी अस्पताल
बिलारी	738	395
भोजपुर	814	841
डिलारी	688	847
कांठ	438	973
कुंदरकी	449	623
मूंढापांडे	878	730
ताजपुर	508	441
ठाकुरद्वारा	686	545
मुरादाबाद शहर	1,099	16,734

यूपी में सपा दे रही पीडीए को धार: पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक वोटरों को साधने में जुटी पार्टी

मुरादाबाद मंडल में समाजवादी पार्टी पीडीए को धार दे रही है। पार्टी का पिछड़े नेताओं के कार्यक्रमों पर जोर है। पार्टी पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक वोटरों को साधने में जुटी है। सितंबर में हुए चार कार्यक्रमों में पीडीए से जुड़े नेता पहुंचे हैं। आने वाले दिनों में पीडीए नेताओं के और भी कार्यक्रम होने हैं।यूपी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी समाजवादी पार्टी मुरादाबाद मंडल में पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) अभियान को धार देने में लगी है। सितंबर में जिले में हुए चार अलग-अलग कार्यक्रमों में पीडीए के नेताओं ने हिस्सा लिया। इन नेताओं को जरिये सपा पीडीए के वोटरों को साधने में लगी है। पिछले तीन विधानसभा चुनावों में सपा का मंडल में प्रदर्शन बेहतर रहा। चुनाव परिणाम में सपा की सीटें सिर्फ कम-ज्यादा हुई हैं। 2022 के विधानसभा चुनाव में पार्टी ने मंडल की 27 में से 17 सीटों पर जीत दर्ज की थी। हालांकि बाद में हुए उपचुनाव में सपा तीन सीटें (रामपुर, टांडा और कुंदरकी) हार गई। 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव में प्रदर्शन और बेहतर करने के लिए पार्टी लगातार पीडीए अभियान पर जोर दे रही है। इसके लिए पीडीए से जुड़े नेताओं के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। सितंबर महीने में छोटे-बड़े आठ कार्यक्रम हुए। इसमें चार कार्यक्रम पीडीए से जुड़े रहे हैं।इन कार्यक्रमों में अतिथि के तौर पर बुलाए गए नेता भी पीडीए से ही जुड़े थे। इसमें विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव, एमएलसी किरण पाल कश्यप, नूरपुर के विधायक रामअवतार सैनी और राज्यसभा सांसद एवं राष्ट्रीय महासचिव रामअवतार सैनी शामिल रहे। वहीं आने वाले दिनों में पीडीए से जुड़े नेताओं के कार्यक्रम प्रस्तावित हैं। पार्टी पीडीए पर जोर दे रही है। इसको ध्यान में रखकर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस महीने पूर्व मंत्री लाखन सिंह पाल के कार्यक्रम होंगे। इसके अलावा विधायक रामअवतार सैनी और किरण पाल कश्यप के दोबारा कार्यक्रम कराए जाएंगे। - जयवीर यादव, सपा जिलाध्यक्ष किस कार्यक्रम में पीडीए का कौन नेता पहुंचा- 03 सितंबर को सर्किट हाउस में एमएलसी शिक्षक चुनाव को लेकर हुई बैठक में विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव पहुंचे। 18 सितंबर को पूर्व सांसद शिव दयाल चौरसिया की पुण्यतिथि पर पीडीए जनसंवाद कार्यक्रम में एमएलसी किरण पाल कश्यप शामिल हुए।

27 सितंबर को लाइनपार में हुई पीडीए पंचायत में नूरपुर के विधायक रामअवतार सैनी ने शिरकत की। 29 सितंबर को पीडीए की बैठक में राज्यसभा सांसद एवं राष्ट्रीय महासचिव रामजी लाल सुमन ने भाग लिया। जून में सिख सामाजिक न्याय यात्रा पहुंची थी जून महीने में सिख सामाजिक न्याय यात्रा मुरादाबाद पहुंची थी। यह यात्रा पार्टी के राष्ट्रीय सचिव सरदार कुलदीप सिंह भुल्लर के नेतृत्व में आई। उन्होंने पार्टी कार्यालय पर पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की थी।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991
RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

गांधी स्टेडियम में एस्ट्रोटर्फ संथेटिक हॉकी मैदान के निर्माण कार्य का किया स्थलीय निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / जिलाधिकारी आलोक कुमार ने गांधी स्टेडियम में एस्ट्रोटर्फ संथेटिक हॉकी मैदान के निर्माण कार्य का किया स्थलीय निरीक्षण आज जिलाधिकारी आलोक कुमार ने गांधी स्टेडियम पहुंचकर निर्माणाधीन एस्ट्रोटर्फ संथेटिक हॉकी मैदान के निर्माण कार्यों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कार्यस्थल पर पहुंचकर मैदान के समतलीकरण, जल निकासी व्यवस्था और निर्माण की प्रगति के बारे में संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता मानकों का पालन किया जाए और निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्य को पूरा किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि स्टेडियम में खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है, ताकि स्थानीय युवाओं और खेल प्रतिभाओं को बेहतर प्रशिक्षण का अवसर मिल सके। इस दौरान जिला क्रीड़ा अधिकारी सहित कार्यदायी संस्था के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

बरेली कॉलेज में लगा सेवा सेतु शिविर विधायक संजीव अग्रवाल और डीएम ने किया शुभारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। बरेली कॉलेज परिसर में सेवा संकल्प अभियान के तहत थीम-9 'सेवा सेतु अभियान- सरकार आपके द्वार' सेवा शिविर का भव्य आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ कैंट विधायक संजीव अग्रवाल और जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने संयुक्त रूप से किया। अतिथियों ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल्स का निरीक्षण कर अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविर में आने वाले हर नागरिक को योजनाओं की पूरी जानकारी दी जाए। साथ ही, जनता की शिकायतों को रजिस्टर में दर्ज कर उनका मौके पर ही प्राथमिकता से समाधान सुनिश्चित करें। कार्यक्रम के दौरान

पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की शादी अनुदान योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को 20,000 के स्वीकृति पत्र सौंपे गए। इसके अलावा गर्भवती महिलाओं की गोदभराई और शिशुओं का अन्नप्राशन संस्कार भी कराया गया। विधायक संजीव अग्रवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस व सार्वजनिक सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक यह अभियान चलाया जा रहा है, ताकि आमजन को एक ही छत के नीचे जनकल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ मिल सके। इस अवसर पर संयुक्त मजिस्ट्रेट/एसडीएम सदर इशिता किशोर, पीडी डीआरडीए चंद्र प्रकाश श्रीवास्तव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

आईटीआई की सुई-धागे से बुनी कामयाबी, ऋतु ने खड़ी की अपनी पहचान

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। महिला सशक्तिकरण और कौशल विकास का बेहतरीन उदाहरण पेश करते हुए बरेली की बेटी ऋतु ने खुद का मुकाम हासिल किया है। महिला विश्व बैंक आईटीआई, बरेली से फैशन डिजाइनिंग का प्रशिक्षण प्राप्त कर ऋतु आज देश की राजधानी दिल्ली में अपना स्वयं का फैशन स्टोर सफलतापूर्वक संचालित कर रही हैं। ऋतु ने बताया कि आईटीआई से आधुनिक डिजाइनिंग की बारीकियां सीखने के बाद

उन्होंने घर से ही छोटे स्तर पर काम शुरू किया था। उनके कपड़ों के डिजाइन और फिनिशिंग को लोगों ने खूब सराहा। काम बढ़ते ही उनका आत्मविश्वास मजबूत हुआ और उन्होंने दिल्ली का रुख कर अपना निजी स्टोर खोल लिया। आज ऋतु इस स्टोर के जरिए अच्छी आमदनी अर्जित कर अपने परिवार का भरण-पोषण मजबूती से कर रही हैं। अपनी सफलता का श्रेय महिला आईटीआई और सरकार की नीतियों को देते हुए ऋतु ने कहा, इस प्रशिक्षण ने मुझे केवल हुनर ही नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर बनने का हौसला दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कौशल विकास प्रयासों से महिलाओं को आगे बढ़ने के ठोस अवसर मिल रहे हैं।

लापरवाह ठेकेदारों पर BDA का हंटर: नवरात्रि से पहले चमचमाएंगी बरेली की सड़कें

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। शहर की खस्ताहाल सड़कों और निर्माण में ढिलाई पर बरेली विकास प्राधिकरण (BDA) ने कड़ा रुख अपना लिया है। घटिया निर्माण और मरम्मत में सुस्ती बरतने वाले ठेकेदारों को कारण बताओ नोटिस जारी कर तत्काल सुधार के सख्त निर्देश दिए गए हैं।

प्रमुख बिंदु- नवरात्रि तक गड्ढामुक्त का अल्टीमेटम- त्योहार से पहले BDA क्षेत्र की सभी सड़कों को दुरुस्त कर आवागमन सुरक्षित बनाने का डेडलाइन तय किया गया है। ठेकेदारों की जेब पर पड़ेगा भारी- मानक पूरे न होने पर ठेकेदार को अपने खर्चे पर दोबारा सड़क बनानी होगी। लापरवाही मिलने पर अनुबंध की शर्तों के तहत कड़ी कार्रवाई तय है। अधिकारियों की भी तय होगी जवाबदेही- इंजीनियरों को स्पष्ट आदेश हैं कि मरम्मत सिर्फ कागजी खानापूरी न होकर मजबूत और स्थायी होनी चाहिए। हर काम का ऑन-ग्राउंड सत्यापन अनिवार्य होगा। यातायात नहीं होगा बाधित- मरम्मत और पैचवर्क के दौरान आम जनता को असुविधा न हो, इसके लिए ट्रैफिक प्लान के साथ काम पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

राह भटके बच्चे को मिला अपनों का आंचल

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। लावारिस हालत में मिले बालक की सूचना जैसे ही चाइल्ड हेल्पलाइन टीम को मिली, टीम ने तुरंत मोर्चा संभाला। डरे-सहमे बच्चे को पहले सुरक्षा और अपनत्व का अहसास कराया गया। इसके बाद चाइल्ड हेल्पलाइन के सुपरवाइजर कमला और केस वर्कर ललित मिश्रा ने बेहद संवेदनशीलता के साथ काउंसलिंग की। घंटों की मशक्कत और धैर्य से पूछे गए सवालों के बाद आखिरकार बच्चे के पते का सुराग तलाश लिया गया। सुराग मिलते ही टीम ने

परिवार से संपर्क साधा। इसके बाद बाल कल्याण समिति के दिशानिर्देशों के तहत पूरी कागजी प्रक्रिया अपनाते हुए मोमिन को सकुशल उसके माता-पिता के सुपुर्द कर दिया गया। जब खोया हुआ बेटा सामने आया, तो परिजनों के आंसू छलक पड़े। परिवार ने किला पुलिस और चाइल्ड हेल्पलाइन टीम का हाथ जोड़कर आभार जताया। टीम के इस प्रयास ने साबित कर दिया कि सजगता और इंसानियत ही किसी भटके हुए बच्चे के लिए सबसे बड़ा सहारा बनती है।

9 अक्टूबर को मनोहर भूषण इंटर कॉलेज में सजेगा महा-रोजगार मेला

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। मनोहर भूषण इंटर कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में एक विशाल, एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन होने जा रहा है। क्षेत्रीय सेवायोजन अधिकारी से मिली जानकारी के मुताबिक, इस वृहद रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की करीब 50 नामी कंपनियां मौके पर ही योग्य उम्मीदवारों का चयन

√ 50 कंपनियां देंगी 4000 नौकरियां

करेंगी। अलग-अलग सेक्टर्स में लगभग 4000 पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। प्रशासन का अनुमान है कि इस महा-मेले में 5000 से अधिक युवा अपनी किस्मत आजमाने पहुंचेंगे। अगर आप भी इस मौके का फायदा उठाना चाहते हैं, तो 9 अक्टूबर को सुबह ठीक 10 बजे अपने सभी जरूरी शैक्षणिक दस्तावेजों, बायोडाटा और पहचान पत्र के साथ मनोहर भूषण इंटर कॉलेज जरूर पहुंचें। अधिक जानकारी व रजिस्ट्रेशन के लिए सेवायोजन पोर्टल का रुख कर सकते हैं।

पुलिस पर गोली चलाने वाले शातिर को इज्जत नगर पुलिस ने किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग करने के मामले में वांछित चल रहे शातिर अभियुक्त रामेन्द्र पाल को गिरफ्तार कर लिया गया है। आपको बताते चलें कि अक्टूबर 2024 में अभियुक्तों द्वारा पुलिस टीम पर अवैध असलाहों से जानलेवा हमला कर फायरिंग की गई थी, जिसके संबंध में थाना इज्जत नगर में [illegible] की विभिन्न धाराओं और आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। तभी से आरोपी फरार चल रहा था।

पकड़ा गया अभियुक्त रामेन्द्र पाल मूल रूप से बदायूं के दातागंज का रहने वाला है और वर्तमान में नकटिया में रह रहा था। उसके खिलाफ इज्जत नगर थाने में संगीन धाराओं में पहले से आपराधिक मामले दर्ज हैं। प्रभारी निरीक्षक सुरेश चन्द्र गौतम के नेतृत्व में पुलिस टीम ने विधिक कार्रवाई पूरी कर आरोपी को न्यायालय में पेश किया है।

7 अक्टूबर को गूंजेगा विकसित भारत का संकल्प : अखंड सेवा ज्योति कलश यात्रा की तैयारियां पूरी

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली । विकसित भारत 2047 के विजन को मजबूती देने के लिए 7 अक्टूबर को बरेली में भव्य सेवा ज्योति कलश यात्रा निकाली जाएगी। कलेक्ट्रेट सभागार में तैयारियों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने आयोजन को ऐतिहासिक बनाने के निर्देश दिए। जनपद के प्रमुख चौराहे पर स्थायी एवं अखंड सेवा ज्योति स्थापित की जाएगी। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पैदल, साइकिल और बाइक रैलियों के जरिए जनसैलाब मुख्य चौराहे पर जुटेगा। मुख्य स्थल

पर विशाल एलईडी स्क्रीन पर प्रधानमंत्री के संबोधन का सजीव प्रसारण होगा, जिसके बाद सभी नागरिक सामूहिक रूप से 2047 तक विकसित भारत का संकल्प लेंगे। डीएम ने आयोजन स्थल पर निर्बाध ट्रैफिक, बेहतर भीड़ प्रबंधन और विशेष सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के सख्त आदेश दिए। बैठक में नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य, एसडीएम सदर इशिता किशोर, एडीएम प्रशासन, जिला विकास अधिकारी समेत पुलिस व अन्य विभागों के आला अफसर मौजूद रहे।

सुधांशु महाराज के दिव्य प्रवचनों से महकेगी नाथ नगरी

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो /बरेली। विश्व जागृति मिशन के तत्वावधान में 7 से 10 अक्टूबर तक एम.बी. इंटर कॉलेज मैदान में भव्य सनातन संस्कृति सत्संग का आयोजन होने जा रहा है। इसमें प्रख्यात संत परम पूज्य सुधांशु महाराज अपने प्रेरणादायी और दिव्य प्रवचनों से श्रद्धालुओं को जीवन में सकारात्मकता, सेवा और संस्कारों का पाठ पढ़ाएंगे। सत्संग के शुभारंभ से पूर्व 6 अक्टूबर को शाम 4 बजे सूद धर्म कांटे से एम.बी. इंटर कॉलेज मैदान तक विशाल कलश यात्रा निकाली जाएगी। नाथ नगरी के विकास और राष्ट्रहित के लिए दोनों दिन प्रात: 7:30 बजे से विशेष यज्ञ होगा, जिसमें पूज्य महाराज श्री स्वयं उपस्थित रहेंगे। बिठूर गुरुकुल आश्रम के विद्यार्थियों और स्थानीय श्रद्धालुओं द्वारा नगर में प्रभात फेरियां निकालकर लोगों को आमंत्रित किया जा रहा है। आयोजन में बरेली समेत रामपुर, मुरादाबाद, नैनीताल और शाहजहांपुर से बड़ी संख्या में भक्तों के जुटने की संभावना है। मिशन के प्रधान देवेंद्र खंडेलवाल व महामंत्री पवन कुमार अरोड़ा ने कहा कि भागदौड़ भरी जिंदगी में नैतिक मूल्यों और पारिवारिक सौहार्द को सुदृढ़ करने के लिए यह आयोजन अत्यंत महत्वपूर्ण है। मिशन पदाधिकारियों ने सभी नगरवासियों से सपरिवार इस आध्यात्मिक महाकुंभ में शामिल होकर लाभ उठाने की अपील की है।

संक्षिप्त समाचार

विद्युत विभाग ने लगाया सेवा शिविर, उपभोक्ताओं की समस्याओं का किया समाधान

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। विद्युत विभाग की ओर से सोमवार को विद्युत विभाग, आपके द्वार सेवा शिविर के तहत फतेहगंज पश्चिमी ब्लॉक परिसर में कैंप लगाया गया। शिविर में क्षेत्र के विद्युत उपभोक्ताओं की समस्याएं सुनी गईं और उनके समाधान के लिए विभागीय अधिकारियों व कर्मचारियों ने मौके पर कार्रवाई की। शिविर में उपभोक्ताओं ने बिजली बिल, कनेक्शन सहित विद्युत संबंधी विभिन्न समस्याओं को अधिकारियों के सामने रखा। विभागीय कर्मचारियों ने शिकायतों की जानकारी लेकर आवश्यक कार्रवाई की और उपभोक्ताओं को उनकी समस्याओं के समाधान के संबंध में जानकारी दी। इस दौरान जेई रमेश चंद्र गौतम, टीजी सेकेंड प्रवीण शर्मा, आदिल मलिक, शब्बीर अली, राकेश माहेश्वरी आदि मौजूद रहे।

उवेन्द्र सिंह चौहान बने अखिल भारतीय गौ रक्षा परिषद के क्षेत्रीय अध्यक्ष, कार्यकर्ताओं में हर्ष

क्यूँ न लिखूँ सच / बरेली। अखिल भारतीय गौ रक्षा परिषद के संगठन प्रमुख श्री जितेंद्र श्रीवास्तव ने संगठन के प्रति समर्पण, सक्रियता एवं कार्यशैली को देखते हुए अहम निर्णय लेते हुए श्री उवेन्द्र सिंह चौहान को ब्रज क्षेत्र, उत्तर प्रदेश का क्षेत्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया है। संगठन प्रमुख जितेंद्र श्रीवास्तव के निर्णय के बाद मुख्यालय प्रभारी श्री गौरव श्रीवास्तव को तत्काल प्रभाव से आवश्यक निर्देश दिए गए, जिसके अनुपालन में नियुक्ति की आधिकारिक सूचना जारी की गई। नियुक्ति के बाद संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं में खुशी और उत्साह का माहौल है। कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त क्षेत्रीय अध्यक्ष उवेन्द्र सिंह चौहान को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में ब्रज क्षेत्र में गौ सेवा , गौ रक्षा एवं संगठन के विस्तार को और मजबूती मिलेगी। कार्यकर्ताओं ने कहा कि सक्रियता , संगठन के प्रति निष्ठा और कार्य करने की क्षमता को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी मिलना संगठन के लिए महत्वपूर्ण कदम है। अखिल भारतीय गौ रक्षा परिषद परिवार की ओर से नवनियुक्त क्षेत्रीय अध्यक्ष श्री उवेन्द्र सिंह चौहान जी को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं।

बिना ISTP दौड़ रहे दो डंपर सीज, वसूला 1 लाख से ज्यादा का जुर्माना

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। अवैध खनिज परिवहन के खिलाफ सघन चेकिंग अभियान के दौरान टीम ने गिट्टी-रेत से लदे दो डंपरों को रुकवाकर कागजात तलब किए। जांच में सामने आया कि दोनों ही डंपरों के पास खनिज परिवहन के लिए सबसे जरूरी वैध दस्तावेज-यानी ISTP (इंटर-स्टेट ट्रांजिट पास / ई-ट्रांजिट पास) मौजूद नहीं था। नियम ताक पर रखकर खनिज ढोया जा रहा था। टीम ने बिना कोई ढिलाई बरते तत्काल दोनों वाहनों पर शिकंजा कसा और नियमों के तहत ?1 लाख से अधिक का जुर्माना जमा कराया। खनन अधिकारी ने साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि यह कार्रवाई जिलाधिकारी महोदय के सख्त निर्देशों का हिस्सा है। जिले में अवैध खनन और बिना वैध कागजात के ओवरलोडिंग या परिवहन करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। प्रशासन का यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और नियम तोड़ने वालों पर इससे भी कड़ा एक्शन लिया जाएगा।

कई मंडलों में विख्यात है स्वर्ग आश्रम भूड़ा सैफनी का ऐतिहासिक छड़ी मेला

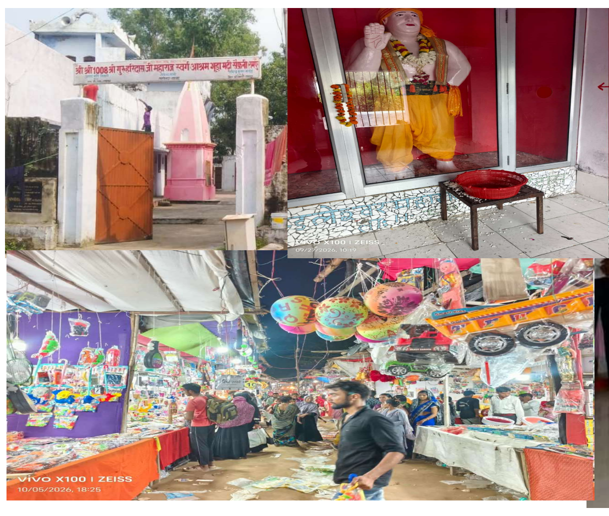

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच / तहसील बिलारी की सीमा से लगे रामपुर जनपद के ऐतिहासिक नगर सैफनी के पूर्व में ऊंचे टीले पर स्थित स्वर्ग आश्रम भूड़ा सैफनी पर प्रतिवर्ष भादों की पूर्णिमा से छड़ी मेला प्रारंभ होता है

जिसमें मुरादाबाद मंडल के अलावा दूर-दूर से श्रद्धालु आकर गुरु बाला सिद्ध की समाधि पर मत्था टेककर अपनी मनौतियां मांगते हैं, पूरी होने पर चादर प्रसाद आदि समर्पित कर भंडारे भी करते हैं। इस आश्रम पर पहुंचते ही श्रद्धालु शांति का अनुभव करते हैं क्योंकि जन कोलाहल हाल से दूर स्थित है।

इसके बगल में रामगंगा, गांगन आदि प्राचीन नदियां बहती हैं जो कभी कभार आश्रम से एक-दो किलोमीटर दूर पहुंच जाती हैं और जल स्तर बढ़ने पर आश्रम के समीप भी आ जाती हैं इसलिए इसका महत्व और बढ़ जाता है। आश्रम परिसर में अनेक संतों की समाधियां हैं। मां दुर्गा का मंदिर, पवन पुत्र हनुमान जी का मंदिर भी स्थित है। श्रद्धालु आश्रम के महंत रहे गुरु हरिदास जी की प्रतिमा का भी दर्शन करते हैं आश्रम के बारे में अनेक लोकोक्तियां प्रचलित हैं कि एक बार रामपुर के नवाब गुरु बालासिद्ध से मिलने हाथी पर सवार होकर आ रहे थे तब वह कच्ची दीवार पर बैठे थे उन्होंने नवाब की अगवानी के लिए कच्ची दीवार को ही चला दिया था, एक बार भंडारे के दौरान घी समाप्त हो गया तब उन्होंने शिष्यों से कहा कि रामगंगा में से ही उधार ले आओ वापस कर देंगे शिष्य कनस्तर भरकर गंगाजल ले आए जो कढ़ाई में डालते ही घी बन गया। भंडारे के उपरांत गुरु बाला सिद्ध जी ने वह गंगा जी को वापस कर दिया।

श्रद्धालुओं की मान्यता है कि यहां सच्चे मन से मांगी गई मुराद पूरी होती है। प्रत्येक सोमवार को यहां श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रहती है समाधियों और मंदिरों में दूध समर्पित करते हैं। इतिहास में जाने से पता चलता है कि सेफनी में भूरीश्रवा रहते थे इसलिए इसकी याद है महाभारत काल से भी जुड़ी हुई है। लंबे समय तक आश्रम की देखरेख करने वाले गुरु हरिदास जी और महंत फूलवती जी को भी श्रद्धालु याद करते हैं। मेले में नामी ग्रामी पहलवान आकर कुश्ती कला का प्रदर्शन करते हैं। सोमवार को नगलिया जट निवासी मोनिका चौधरी, नीलम, पार्थ कुमार, शिल्पी, ध्रुव आदि अनेक श्रद्धालु आश्रम पर गए वहां बालाजी की समाधि पर माथा टेककर मंदिरों में दर्शन किए और मेले का आनंद लिया। उन्होंने बताया कि मेले में झूले, खेल खिलौने, जलेबी पकौड़ी, शाहबादी गट्टा चाऊमीन चाट पकौड़ी, पानी पूरी आदि का भरपूर इंतजाम है। आश्रम के साथ पूरे सैफनी और आसपास के गांवों में श्रद्धालु आए हुए हैं घरों में रौनक है मेले की व्यवस्था में सहयोग करने वाले भाकियू असली के राष्ट्रीय महासचिव चौधरी महक सिंह, पूर्व प्रधानाचार्य अखिलेश श्रीवास्तव आदि का कहना है कि वैसे तो भारत भूमि का कण-कण पावन है परंतु जहां साधु संतों का डेरा लग जाता है वह स्थान और भी पवन हो जाता है, स्वर्ग आश्रम भूड़ा सैफनी भी उन्हीं में से एक है।

संक्षिप्त समाचार

तराई किसान यूनियन ने फसलों का मुआवजा देने की मांग

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच / लगातार बरसात तेज हवा और बाढ़ से नष्ट हुई धान गन्ना व अन्य फसलों का मुआवजा देने तथा आलू के कोल्ड स्टोरेज का किराया सरकार द्वारा वहन करने आदि मांगों को लेकर तराई किसान यूनियन के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। प्रदेश सचिव हाजी हसमत रजा उस्मानी के साथ कार्यकर्ता तहसील पहुंचे। ज्ञापन में कहा किसानों को आलू का मंडी में उचित भाव न मिलने के कारण वह आर्थिक संकट में जूझ रहा है। किसानों के ऊपर आलू को कोल्ड स्टोरेज में रखने का किराया अतिरिक्त बोझ बन रहा है इसलिए सरकार इस किराए को वहन कर किसानों को राहत दे। फसलों का सर्वे कराकर मुआवजा दिया जाए। आलू की फसल को एमएसपी के दायरे में शामिल किया जाए। ज्ञापन देने वालों में मुजम्मिल, बबलू, नाजिम, गुड्डू धर्म सिंह आदि रहे।

डीएम के कड़े रुख पर हरकत में आया स्वास्थ्य विभाग

क्यूँ न लिखूँ सच //आज बदायूँ जिलाधिकारी अवनीश राय ने कड़ा रुख अपनाते हुए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि स्वास्थ्य विभाग की एक टीम तहसील बिसौली

के ग्राम सर्वा पहुंचकर बुखार से पीड़ितों की जांच कर उन्हें बेहतर इलाज उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। डीएम के उक्त निर्देशों के क्रम में सोमवार को उप जिलाधिकारी बिसौली के नेतृत्व में एसीएमओ, एमओआईसी तथा अन्य स्वास्थ्य कर्मियों ने गांव में पहुंचकर बुखार से पीड़ित मरीजों को देखा और उनकी जांच की। मौके पर केवल 75 लोग बुखार से पीड़ित पाए गए, जिसमें मलेरिया पैरासाइड के 52 टेस्ट किए गए, जो सभी नेगेटिव पाए गए। डेंगू के 30 टेस्ट किए गए, जो सभी नेगेटिव पाए गए। एक व्यक्ति के डेंगू की पुष्टि के लिए एलिसा टेस्ट भेजा गया है। टायफाइड की जांच के लिए 10 सैंपल लिए गए, जो सभी नेगेटिव पाए गए। स्वास्थ्य टीम ने जिलाधिकारी को रिपोर्ट दी है कि सर्वा गांव में जो लोग बीमार हैं उनकी जांच की गई हैं, उनमें वह सभी नेगेटिब आए हैं, संभवत: एक दो दिन के बाद पुन: जांच करने पर उनकी रिपोर्ट पॉजीटिव आ सकती है। उन्होंने रिपोर्ट में कहा है कि बुखार के कारण दवा एवं एंटीवायटिव खाने से भी मलेरिया, डेंगू और टायफाइड जांच में जल्द नहीं आता है। कभी-कभी वायरल फीवर होने पर मलेरिया, डेंगू और टायफाइड जांचों में नहीं आता है। टीम ने पाया कि गांव के वायरल फीवर से पीड़ित 09 लोग प्राइवेट अस्पताल में पहले से भर्ती हैं।

जर्जर सड़कों की मरम्मत व डामरीकरण की मांग, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच / ग्राम बाकीपुर जटनी, थाना कुंदरकी की जर्जर सड़कों की समस्या को लेकर भारतीय किसान यूनियन (मुलायम) के प्रदेश सचिव मोबीन हुसैन ने ग्रामीणों के साथ उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर सड़क की तत्काल मरम्मत और डामरीकरण कराने की मांग की। ज्ञापन में बताया गया कि गांव की मुख्य सड़क लंबे समय से जर्जर हालत में है। सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे हो गए हैं। बरसात के दिनों में इन गड्ढों में पानी भर जाने से ग्रामीणों, राहगीरों, बाइक तथा चार पहिया वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी होती है। स्कूली छात्र-छात्राओं को भी सड़क की खराब हालत के कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने बताया कि जर्जर सड़क के कारण कई बार वाहन चालक दुर्घटनाओं का शिकार हो चुके हैं। मोबीन हुसैन ने ग्रामीणों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सड़क की शीघ्र मरम्मत कराने तथा डामरीकरण कर पक्की सड़क बनवाने की मांग की है। इस दौरान मोबीस पाशा, कलीम पाशा, फ़ैज़ पाशा, शारीक पाशा सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

प्रदेश स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में विद्यालय के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

दो बहनों ने चैंपियनशिप जीतकर विद्यालय का बढ़ाया गौरव

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच /। विद्या भारती द्वारा हस्तिनापुर, मेरठ में आयोजित प्रदेश स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में श्रीमती मीरा अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज अमरपुर काशी, बिलारी, मुरादाबाद के भैया-बहनों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विभिन्न स्पर्धाओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में शिशु वर्ग में तेजस्वी यादव ने 100 मीटर, 400 मीटर दौड़ और ऊंची कूद में प्रथम स्थान प्राप्त किया। अनुराग यादव ने गोला फेंक और चक्का फेंक में प्रथम स्थान हासिल किया। सार्थक गंगवार ने ऊंची कूद तथा अंडर-14 वर्ग में युवराज यादव ने 400 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया किशोर वर्ग में सचिन यादव ने 400 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया। तरुण वर्ग में स्वेच्छा ने 100 मीटर, 200 मीटर दौड़ और त्रिकूद में प्रथम स्थान प्राप्त किया। अनु यादव ने 800 मीटर दौड़ और लंबी कूद में प्रथम स्थान हासिल की। कल्पना यादव ने 1500 मीटर, 3000 मीटर और 4000 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों में रोहित यादव ने 100 मीटर दौड़, बॉबी कुमार ने 200 मीटर दौड़, शीतल यादव ने 200 मीटर दौड़, लंबी कूद और चक्का फेंक, अनीशा ने गोला फेंक, अर्जुन यादव ने छह किलोमीटर दौड़ तथा युवराज यादव ने बाधा दौड़ में सफलता प्राप्त की। शीतल यादव ने 400 मीटर दौड़ और चक्का फेंक में भी द्वितीय स्थान प्राप्त किया। अंशुल यादव ने 200 मीटर दौड़ में तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में कल्पना यादव और स्वेच्छा ने विशेष उपलब्धि हासिल करते हुए चैंपियनशिप अपने नाम की। दोनों बहनों को चैंपियनशिप की शील्ड प्रदेश शिक्षक जन शिक्षा समिति, उत्तर प्रदेश के पदाधिकारी हेमराज सिंह द्वारा प्रदान की गई। इस अवसर पर प्रमोद कुमार शर्मा, यशपाल सहित अन्य पदाधिकारी एवं विद्यालय के शिक्षक मौजूद रहे। विद्यालय परिवार ने सभी विजेता खिलाड़ियों को उनकी शानदार उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नागरिक परिषद ने भूमि की चाहरदीवारी बनवाने को डीएम को भेजा ज्ञापन

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच / राजकीय आयुर्वेदिक एवं आयुष चिकित्सालय की भूमि को सुरक्षित रखने और बाउंड्री कराने को लेकर नागरिक परिषद के कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी के नाम ज्ञापन उपजिलाधिकारी को सौंपा। ज्ञापन में कहा नगर बिलारी में गाटा संख्या 957 रकबा की 1.86 एकड़ भूमि पर राजकीय आयुर्वेदिक एवं आयुष चिकित्सालय का निर्माण प्रस्तावित है इस भूमि पर तथाकथित भू-माफियाओं द्वारा कब्जा करने की कोशिश की जाती रही है।यह भूमि मूल रूप से संत स्वर्गीय बाबा लक्ष्मण सिंह की थी। तहसीलदार बिलारी ने 05 फरवरी 1983 को इस भूमि को अधिशासी अधिकारी नगर पालिका बिलारी के नाम दर्ज करने का आदेश दिया था। 20 फरवरी 2003 को उपजिलाधिकारी न्यायालय बिलारी ने इसे सरकारी भूमि घोषित किया।बाद में नगर पालिका बोर्ड बिलारी ने 30 मई 2013 को इस भूमि को आयुर्वेदिक एवं यूनानी अस्पताल के निर्माण हेतु देने का प्रस्ताव पास किया। जिलाधिकारी मुरादाबाद ने 01 सितंबर 2015 को मंडलायुक्त से इसे अधिकृत करने का अनुरोध किया, जिस पर 15 सितंबर 2017 को आयुक्त मुरादाबाद मंडल ने अस्पताल निर्माण हेतु भूमि को अधिग्रहित किया। इस बीच अवैध बैनामों पर 19 अगस्त 2016 को उपजिलाधिकारी के आदेश पर थाना बिलारी में 02 अप्रैल 2017 को रिपोर्ट भी दर्ज हुई। उक्त भूमि पर पुन: एक वाद दायर कर अन्य लोगों के नाम दर्ज करने का आदेश कर दिया गया था, जिसके खिलाफ मंडलायुक्त न्यायालय में अपील की गई। मंडलायुक्त न्यायालय ने 10 जुलाई 2024 को अपने आदेश से उक्त भूमि को राजकीय भूमि घोषित कर खतौनी में राजकीय भूमि दर्ज कराने का आदेश दिया। जिसके बाद 30 जुलाई 2024 को जिलाधिकारी द्वारा गठित राजस्व टीम द्वारा क्षेत्रीय यूनानी एवं आयुर्वेदिक अधिकारी को कब्जा सौंप दिया गया और नगर पालिका बिलारी को बाउंड्री करने का आदेश दिया गया, लेकिन आज तक बाउंड्री नहीं हुई। जिसके कारण भू-माफिया लगातार कब्जे का प्रयास कर रहे हैं। वर्तमान में यूनानी एवं आयुर्वेदिक क्षेत्रीय अधिकारी जिला मुरादाबाद के द्वारा आयुष चिकित्सालय हेतु आयुष मंत्रालय को प्रस्ताव भी भेजा गया है। नागरिक परिषद ने अनुरोध किया है कि आयुष चिकित्सालय हेतु अधिकृत भूमि की सुरक्षा के लिए क्षेत्रीय यूनानी एवं आयुर्वेदिक अधिकारी मुरादाबाद और अधिशासी अधिकारी नगर पालिका बिलारी के द्वारा चाहरदीवारी कराई जाए ताकि भूमि को बचाया जा सके और नगर में आयुष चिकित्सालय भवन का निर्माण हो सके ज्ञापन पर संयोजक डॉ जितेंद्र दक्ष, संरक्षक शकील साबरी, राकेश जैन, माजिद हुसैन प्रधान, चौधरी हुकम सिंह, सभासद राकेश यादव, फैसल रजा, प्रेमपाल सिंह, तिलक राज चांदना, राहत जान, अनीस अहमद, मोबीन हुसैन, अंकुर प्रताप, समीर जैन आदि रहे।

संचारी रोगों की रोकथाम को निकली जागरूकता रैली

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच । संचारी रोग नियंत्रण माह के अंतर्गत बाल विकास परियोजना बिलारी के तत्वावधान में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा रैली निकालकर लोगों को संचारी रोगों से बचाव के प्रति जागरूक किया गया। रैली के माध्यम से आमजन को स्वच्छता अपनाने, मच्छरों को पनपने से रोकने तथा अपने आसपास साफ-सफाई रखने का संदेश दिया गया, साथ ही इस माह के दौरान बाल विकास विभाग द्वारा कुपोषित बच्चों के गृहभ्रमण उनको पुष्टाहार प्रदान करने के गर्भवती एवं धात्री को खान पान की सलाह का सन्देश दिया जायेगा। रैली का शुभारंभ परियोजना कार्यालय, गन्ना समिति से हुआ। रैली हाईवे से होते हुए गांधी मूर्ति चौराहा पहुंची और इसके बाद परियोजना कार्यालय में पहुंचकर सम्पन्न हुई। इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने हाथों में जागरूकता संदेश लिखी तख्तियां लेकर लोगों को संचारी रोगों से बचाव के प्रति जागरूक किया। रैली में चिकित्सा विभाग से डॉ. वी.के. सिंह, बाल विकास परियोजना अधिकारी सुरेंद्र पाल सिंह, मुख्य सेविका शिव कुमारी, आशा कार्यकत्रियां सोनिका, मोनिका, बबिता एवं सविता, ब्लॉक समन्वयक अतुल शर्मा सहित समस्त आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां रहीं। कार्यक्रम के दौरान लोगों को बताया गया कि घर एवं आसपास पानी जमा न होने दें तथा मच्छरों से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां बरतें। बुखार, उल्टी-दस्त, खांसी अथवा अन्य बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर चिकित्सकीय परामर्श लेने की अपील की गई। बाल विकास परियोजना अधिकारी सुरेंद्र पाल सिंह ने कहा कि संचारी रोगों की रोकथाम के लिए जन-जागरूकता के साथ-साथ स्वच्छता और सामुदायिक सहभागिता बेहद जरूरी है। उन्होंने सभी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों से अपील की कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में लोगों को लगातार जागरूक करती रहें। रैली के माध्यम से स्वच्छता अपनाएं, मच्छरों को पनपने से रोकें और संचारी रोगों से सुरक्षित रहें का संदेश दिया गया।

नटेरन पुलिस की त्वरित कार्रवाई–नाबालिग बालिका को सकुशल दस्तयाब कर दुष्कर्म के आरोपी को किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ पुलिस अधीक्षक विदिशा श्री रोहित काशवानी के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मोनिका तिवारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) श्रीमती शिखा भलावी के मार्गदर्शन में नाबालिग बालिका की पतारसी एवं प्रकरण में त्वरित कार्रवाई हेतु थाना नटेरन से विशेष पुलिस टीम गठित की गई। घटना का संक्षिप्त विवरण– दिनांक 24.08.2026 को थाना नटेरन अंतर्गत ग्राम रायखेड़ी से एक नाबालिग बालिका के घर से बिना बताए चले जाने की सूचना प्राप्त हुई। परिजनों की रिपोर्ट पर थाना नटेरन में अपराध क्रमांक 233/2026, धारा 137(2) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस की कार्रवाई– थाना प्रभारी नटेरन निरीक्षक वीरेन्द्र कुमार के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा

सतर्कता एवं संवेदनशीलता के साथ बालिका की तलाश के लिए लगातार प्रयास किए गए। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दिनांक 04.10.2026 को नाबालिग बालिका को भोपाल से सकुशल दस्तयाब किया। बालिका के कथन एवं विवेचना में सामने आए तथ्यों के आधार पर प्रकरण में धारा 87, 64(1), 64(2)(रू) बीएनएस एवं धारा 5रु6 पॉक्सो एक्ट का इजाफा किया गया। प्रकरण में आरोपी सोनू पिता बैजनाथ सिंह कुशवाह, उम्र 27 वर्ष, निवासी ग्राम घोंघरा, थाना नटेरन, जिला विदिशा को गिरफ्तार किया गया। दस्तयाब बालिका को सुरक्षित रूप से उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया। सराहनीय भूमिका– उक्त कार्रवाई में निरीक्षक वीरेन्द्र कुमार (थाना प्रभारी नटेरन), उप निरीक्षक लालबहादुर सिंह, उप निरीक्षक गौरव रघुवंशी (सायबर सेल विदिशा), प्रधान आरक्षक नरसिंह यादव, आरक्षक धर्मेन्द्र अहिरवार, आरक्षक यशपाल निगम, आरक्षक फूलसिंह शाक्य एवं महिला आरक्षक हिमांशु साहू की सराहनीय भूमिका रही।

जिलाधिकारी ने यूपी स्काउट केयर युवा सृजन–2026 का दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का किया शुभारम्भ

क्यूँ न लिखूँ सच / भारत स्काउट और उत्तर प्रदेश के तत्वाधान में गांधी स्टेडियम स्थित गांधी प्रेक्षागृह में यूपी स्काउट-केयर युवा सृजन-2026 कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिलाधिकारी आलोक कुमार द्वारा माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि स्काउटिंग और गाइडिंग युवाओं में अनुशासन, चरित्र निर्माण, देशप्रेम और निस्वार्थ समाज सेवा की भावना का बीजारोपण करती है। युवा सृजन जैसे आयोजन छात्र-छात्राओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने ओर नेतृत्व क्षमता

विकसित करने का एक बेहतरीन मंच प्रदान करते हैं। उन्होंने सभी संभागियों को अपनी क्षमता का शत-प्रतिशत योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का प्रारम्भ स्काउट गाइड की बालिकाओं द्वारा स्वागत नृत्य और सरस्वती वंदना से हुई। विभिन्न विद्यालयों से आए छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति, लोक नृत्य एवं सामाजिक संदेशों पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। इस अवसर पर स्काउट गाइड के प्रादेशिक एवं , विद्यालयों के प्रधानाचार्य, स्काउट मास्टर सहित अन्य उपस्थित रहे।

सड़क सुरक्षा केवल नियम नहीं, बल्कि हम सभी की जिम्मेदारी है

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/नटेरन। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शमशाबाद विधानसभा क्षेत्र के नटेरन स्थित सांदीपनि विद्यालय में सड़क सुरक्षा जागरूकता एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों को सामग्री वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विधायक *सूर्य प्रकाश मीणा* मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर छात्रों और ग्रामीणों से सड़क सुरक्षा को लेकर संवाद कर नियमों के पालन करने को कहा। इस दौरान जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि यशपाल रघुवंशी सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को यातायात नियमों और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। विद्यार्थियों को सड़क पर सुरक्षित आवागमन, हेलमेट के उपयोग तथा यातायात नियमों के पालन की जानकारी दी गई। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लर्निंग लाइसेंस भी बनाए गए। विधायक सूर्य प्रकाश मीणा एवं अतिथियों द्वारा छात्र-छात्राओं को *हेलमेट वितरित* किए गए। कार्यक्रम में बताया गया कि विद्यार्थी हेलमेट के महत्व को समझें और अपने अभिभावकों को भी सुरक्षित यातायात के लिए प्रेरित करें। इसके साथ ही सेवा संकल्प अभियान के तहत जरूरतमंद विद्यार्थियों को

आवश्यक सामग्री का वितरण कर उन्हें सहयोग प्रदान किया गया। विधायक सूर्य प्रकाश मीणा ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल नियम नहीं, बल्कि हम सभी की जिम्मेदारी है। प्रत्येक व्यक्ति को स्वयं यातायात नियमों का पालन करने के साथ ही दूसरों को भी सुरक्षित यातायात के लिए प्रेरित करना चाहिए। जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि यशपाल रघुवंशी ने अपने उद्बोधन में कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिन 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान मोदी जी के 25 वर्ष के सेवा काल स्वर्णिम अक्षरों में रहेगा यह अभियान भारत में जन हित कार्यक्रमों के रूप में मनाया जा रहा हे और समसंवाद विधानसभा में लोकप्रिय विधायक सूर्य प्रकाश मीणा के नेतृत्व में , विधानसभा जगह जगह कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है और हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाया जा रहा हे,आर टी ओ के कर्मचारियों ने यातायात सड़क सुरक्षा की विस्तृत जानकारी एल ई डी के माध्यम से दी ।मंच संचालन अंकित गुप्ता ने किया कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष संग्राम सिंह,शैलेन्द्र सिंह ठाकुर, जेब विविधता सभापति अंसूज शर्मा एसडीएम अजय पाठक, थाना प्रभारी वीरेंद्र सिंह , बीई ओ राकेश सेन प्राचार्य आर जी कुर्मी माखन सिंह,कमलेश मालवीय रघुवीर सिंह अरुण रघुवंशी राजकुमार राजपूत संजय चौकसे संजीव रघुवंशी, अखिलेश रघुवंशी, राजेश रघुवंशी भालू महाराज सहित मंडल के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, विद्यालय स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जिला कारागार उरई में विधिक सेवा प्राधिकरण का निरीक्षण, बंदियों की समस्याएं जानीं

♦ जमानत के बावजूद जमानतगीर न मिलने से रिहाई से वंचित बंदियों की सूची मांगी, निजी अधिवक्ता न होने पर निशुल्क कानूनी सहायता दिलाने के निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / नीरज कुमार/ उरई (जालौन)। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती मनाली चन्द्रा ने सोमवार को जिला कारागार उरई का साप्ताहिक भ्रमण एवं विधिक शिविर आयोजित किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न बैरकों का निरीक्षण कर बंदियों से बातचीत की और उनकी समस्याओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जेल प्रशासन को निर्देश दिए कि ऐसे बंदियों की सूची तत्काल जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय को भेजी जाए, जिनकी सक्षम न्यायालय से जमानत स्वीकृत हो चुकी है, लेकिन जमानतगीर उपलब्ध न होने के कारण वे रिहा नहीं हो पा रहे हैं। ऐसे मामलों में प्रभावी पैरवी कर शीघ्र रिहाई सुनिश्चित कराने की बात कही गई। वहीं आर्थिक रूप से कमजोर बंदियों को राज्य की ओर से जमानत दिलाने के लिए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। सचिव ने बंदियों को मिलने वाली विधिक सहायता एवं कानूनी सलाह, मुकदमों की पैरवी तथा महिला बंदियों और उनके साथ रह रहे बच्चों की चिकित्सा एवं खान-पान की व्यवस्थाओं की भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जिस बंदी का निजी अधिवक्ता नहीं है अथवा न्यायालय में उचित पैरवी नहीं हो पा रही है, उसे नियमानुसार निशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाए। इसके बाद मुलाकाती क्षेत्र में परिजनों की सहायता के लिए स्थापित लीगल एड हेल्प डेस्क का भी निरीक्षण किया गया। बंदियों से उनकी समस्याओं के बारे में पूछताछ की गई, जिस पर किसी बंदी ने कोई विशेष समस्या नहीं बताई। अनुच्छेद 39ए की दी जानकारी– इसके बाद निःशुल्क विधिक सेवाएं एवं कार्यप्रणाली विषय पर विधिक साक्षरता शिविर आयोजित किया गया। शिविर की अध्यक्षता सचिव मनाली चन्द्रा ने की। चीफ एलएडीसी श्री विश्राम सिंह ने बंदियों को संविधान के अनुच्छेद 39ए के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इसके तहत समाज के गरीब एवं कमजोर वर्गों को निशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने और सभी के लिए न्याय सुनिश्चित करने का प्रावधान है। शिविर में दर्जनों बंदी मौजूद रहे। इस अवसर पर जेल अधीक्षक प्रशान्त मौर्य, कारापाल प्रदीप कुमार, उपकारापाल अमर सिंह एवं सुखवती तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के लिपिक शुभम् शुक्ला मौजूद रहे।

सेवा संकल्प अभियान’ के तहत कलेक्ट्रेट में सजी जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रदर्शनी

क्यूँ न लिखूँ सच / नीरज कुमार/ ‘सेवा संकल्प अभियान-जन सेवा से देश सेवा’ के अंतर्गत जनपद में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास परियोजनाओं एवं सरकार की उपलब्धियों को आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट परिसर में सूचना विभाग द्वारा चित्र प्रदर्शनी एवं विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए। प्रदर्शनी का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी, विधायक माधौगढ़ मूलचन्द्र निरंजन, विधायक कालपी के प्रतिनिधि आशू चतुर्वेदी, जिलाधिकारी समीर, परियोजना निदेशक अखिलेश तिवारी, नगर मजिस्ट्रेट सुनील कुमार सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने फीता काटकर किया।उद्घाटन के बाद जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने प्रदर्शनी में लगाए गए विभिन्न विभागों के स्टॉलों का अवलोकन किया तथा विभागीय अधिकारियों से योजनाओं, उनकी पात्रता और लाभ की जानकारी ली। सूचना विभाग की चित्र प्रदर्शनी के माध्यम से जनपद में कराए गए विकास कार्यों एवं जनहित में संचालित योजनाओं को प्रदर्शित किया गया, जबकि विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों पर केंद्र एवं प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं, कार्यक्रमों और उपलब्धियों की जानकारी उपलब्ध कराई गई।

जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी ने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होता है, जब उनकी जानकारी पात्र व्यक्ति तक पहुंचे और वह उसका लाभ प्राप्त कर सके। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रदर्शनी आमजन को विभिन्न विभागों की योजनाओं की जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने का प्रभावी माध्यम हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे योजनाओं की जानकारी प्राप्त करें और पात्रता के अनुसार उनका लाभ उठाएं।विधायक माधौगढ़ मूलचन्द्र निरंजन ने कहा कि सरकार द्वारा समाज के प्रत्येक वर्ग के विकास और जनसुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि ‘सेवा संकल्प अभियान’ के माध्यम से इन योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी आमजन तक पहुंचाने का प्रयास सराहनीय है। उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारी योजनाओं की पात्रता और प्रक्रिया को सरल भाषा में लोगों को समझाएं, जिससे कोई भी पात्र व्यक्ति जानकारी के अभाव में लाभ से वंचित न रहे।जिलाधिकारी समीर ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं की जानकारी आमजन को सरल, स्पष्ट और सहज भाषा में उपलब्ध कराई जाए तथा पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से जोड़ने के लिए प्रभावी प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि विभागीय स्टॉल केवल जानकारी देने तक सीमित न रहें, बल्कि लोगों की जिज्ञासाओं और समस्याओं का समाधान भी मौके पर किया जाए। विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उपस्थित लोगों को योजनाओं की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया एवं मिलने वाले लाभ के संबंध में जानकारी दी। कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित यह प्रदर्शनी आमजन के लिए सरकार की योजनाओं और जनपद में संचालित विकास कार्यों को एक ही स्थान पर जानने का उपयोगी माध्यम बनी।

संक्षिप्त समाचार

थाना सिविल लाइन पुलिस नें चोरी की घटना में दो आरोपी को भेजा जेल

क्यूँ न लिखूँ सच / जनपद बदायूँ में एसएसपी के आदेशानुसार एवं अपर पुलिस अधीक्षक नगर के निर्देशानुसार तथा क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण में व प्रभारी निरीक्षक सिविल लाइन नेतृत्व में जनपद मे अपराध

की रोकथाम एंव वाछिंत व चोरी करने वाले अभियुक्त की गिरफ्तारी एंव माल बरामदगी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत आज सिविल लाइन पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 355/26 धारा 303(2) बीएनएस में चोरी करने वाले 02 अभियुक्तगण 1. समीर उर्फ गुलजार पुत्र बाबा नि0 गिहार बस्ती मीरा सराय थाना सिविल लाइन जनपद बदायूँ 2.राज उर्फ राजा पुत्र चन्द्रपाल नि0 62 आसियाना, बल्लभगढ थाना बल्लभगढ फरीदाबाद,जनपद हरियाणा को चोरी की 01 अदद बैट्री अमरोन कम्पनी की सहित गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार अभियुक्तो को नियमानुसार विधिक कार्यवाही कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया उ0नि0 श्री भूप सिंह थाना सिविल लाइन मय टीम

जिलाधिकारी ने निर्माणाधीन ड्रग वेयरहाउस का किया निरीक्षण, अवशेष कार्यों को पूर्ण कराने के दिए निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / जिलाधिकारी आलोक कुमार ने जनपद में

निर्माणाधीन ड्रग वेयरहाउस का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्यों का गहनता से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था को निर्देश दिए कि अवशेष निर्माण कार्यों को निर्धारित समय सीमा में कराना सुनिश्चित किया जाये। कार्यदायी संस्था द्वारा अवगत कराया गया कि धनराशि प्राप्त होने पर खिड़कियों में ग्रिल का कार्य, पैनल का कार्य, अग्निशमन उपकरण व अन्य अवशेष कार्यों को शीघ्र पूर्ण करा दिया जायेगा। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी भुवन चन्द्र पंत, कार्यदायी संस्था अधिकारी कर्मचारी सहित अन्य उपस्थित रहे।

आगामी त्योहारों के दृष्टिगत भारत-नेपाल सीमा पर SSB एवं पुलिस ने किया पैदल गश्त, संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की चेकिंग

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार यादव/ आगामी त्योहारों के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक श्री राहुल भाटी के निर्देशन में

जनपद में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने हेतु भारत-नेपाल सीमा पर सतर्कता बढ़ाई जा रही है। इसी क्रम में आज दिनांक 05.10.2026 को थाना मल्हीपुर क्षेत्रान्तर्गत भारत-नेपाल सीमा पर स्थित सागर गांव बॉर्डर पर स्स्क्र एवं पुलिस बल द्वारा संयुक्त रूप से पैदल गश्त की गई। इस दौरान सीमा क्षेत्र में आने-जाने वाले संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की सघन चेकिंग की गई तथा सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। पुलिस एवं स्स्क्र द्वारा आगामी त्योहारों के दृष्टिगत सीमा क्षेत्र में लगातार सतर्कता बरतते हुए संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

Why do we carve scary faces from pumpkins on Halloween? This 2000-year-old story is linked to a demon.

The tradition of carving scary faces from pumpkins on Halloween dates back to the 2000-year-old Celtic festival, "Sauwen." Pumpkins are held in high regard in our Sanatan Dharma. In some areas, they are associated with the Ramayana period and are called "Sitaphal." In others, they are associated with spirituality and are given the status of "Kashiphal." Pumpkins also have a special connection with Kushmanda, the fourth form of Goddess Durga. But have you ever wondered why pumpkins are used in Halloween celebrations abroad? Why do people carve scary faces, or "Jack-o'-Lanterns," from pumpkins on Halloween? Let's explore Western beliefs about pumpkins. Why do we celebrate Halloween? Halloween is a popular festival in Western countries, especially Britain and Ireland, celebrated every year on October 31st. It originated 2000 years ago with the ancient Celtic festival, "Sauwen." It is believed that on this day, the boundary between the worlds of the living and the dead blurs, allowing spirits to descend to earth. Carving a jack-o'-lantern on a pumpkin is a part of the tradition. In Irish culture, there's a legend associated with the creation of a jack-o'-lantern. It is said that in ancient times, a man named Stingy Jack, who, unable to pay for alcohol, invited the devil to drink with him. Through conversation, he convinced the devil to turn into money. Once the devil turned into coins, Jack pocketed the coins. To free the devil, he stipulated that he would not trouble him for a year, and that if Jack died, he would not take his soul with him. When Jack died, he was denied a place in neither heaven nor hell, as promised. Thus, Stingy Jack was condemned to a life of wandering. What is the connection between pumpkins and Halloween? You may not know, but in earlier times, scary faces on Halloween were made not on pumpkins, but on turnips. It is said that when Jack failed to find a place in either heaven or hell, he started wandering with a burning coal in his hand. To see the way, he hollowed out a turnip and placed the burning coal in it. Since then, the Irish began making scary faces on turnips to ward off evil spirits. Later, when the Irish went to America, they used the local crop, pumpkin, to make 'Jack-o-Lantern'.

Are you emptying your pockets due to frequent refills? Stop making these cooking mistakes immediately and reduce your LPG consumption.

With the ever-rising prices of gas cylinders, there are several ways to make them last longer. The ever-rising prices of gas cylinders are taking a heavy toll on your pockets, as cooking is a daily necessity in every household. Therefore, it's impossible to reduce the cost of the cylinder by any means. However, if your cylinder runs out before the month is over, there are several ways to make it last longer. Burner cleaning - Dirty burners can also contribute to increased gas consumption, as clogged holes or dirt buildup prevent the gas from burning to its full potential. To avoid this, it's important to remember to clean the burner once a week. Pressure cooker cooking - Cooking in a pressure cooker is a great way to save both time and gas. Therefore, if you're making a vegetable or pulao, use a pressure cooker as much as possible. According to estimates, cooking in a pressure cooker can save approximately 30 to 50 percent of gas. Choosing the right cooking pot - Few people know this, but choosing the right cooking pot is crucial. Always choose a pot with a flat bottom, not a curved one. A flat pot absorbs heat better, thus saving LPG. Additionally, avoid placing small pots on large burners or large pots on small burners. Cook on medium heat - Some people believe that cooking on high heat will cook faster and save gas. However, this is a major misconception, as medium or low heat saves more gas and cooks properly. Check for leaks - Often, gas cylinders run out due to leaks, not due to our carelessness in cooking. To do this, carefully check the pipes for cracks. It's also important to check the regulator.

"Bua Chhena, Fufa Kariya Rasgulla..." This song, sung in typical Bhojpuri, is different from the usual Sohar, and has a history connected to the Panwaria style.

Neelotpal Mrinal's Bhojpuri Sohar song "Bhuar Bhuar Baal Re Horilwa Ke" is trending widely on social media. Old folk songs have been trending on social media for some time now, suggesting a return to their roots. In this vein, another song that is currently being well-received by Bhojpuri audiences is "Bhuar Bhuar Baal Re Horilwa Ke." While the song's style may be new, it has roots in the Sohar songs of Purvanchal and Bihar. Let's discuss this Sohar song, presented in a new style, and the Panwaria style. "Bhuar Bhuar Bal Horilwa Ke" has become a viral hit on the internet. When we listen to folk songs, they often focus on the daughter-in-law, mother-in-law, sister-in-law, husband, and father-in-law, or the lyrics revolve around love. However, in the Bhojpuri song "Bhuar Bhuar Bal Horilwa Ke," the focus is on the relationships between aunts and uncles, grandparents, and uncles and aunts. This is why people are loving this song so much. This song is related to the Sohar songs sung at the birth of a child in Purvanchal and Bihar, and is sung in the Panwariya style. What is the Panwariya style? The Panwariya style is a traditional singing and dance style used in the villages of Uttar Pradesh, Bihar, and Jharkhand. In earlier times, some people in rural areas would sing folk songs on auspicious occasions like childbirth, tonsure, and weddings; they were given the name Panwariya. It is said that this style dates back to the Ramayana period, as the Paanwariyas arrived at the palace of King Dasharatha to play songs at the time of Lord Rama's birth. Even today, this style is kept alive in some rural areas of Uttar Pradesh, Bihar, and Jharkhand. The emergence of a typical Bhojpuri song sung in this style on social media is playing a significant role in preserving it. A lighthearted, humorous portrayal of relationships—"Horilwa" here refers to a newborn baby, and the song begins with the baby's brown hair and chubby cheeks: "Bhuar Bhuar Baal Re Horilwa Ke... Phool Phool Gaal Re Horilwa Ke," after whose birth the mother becomes the queen of the palace and the father a gangster. Subsequently, the grandfather is elevated to the position of a police officer and the grandmother to the position of headman. The most interesting relationship is that of the aunt and uncle, which is presented in a playful manner, with the aunt being called "Chhena" (Chhena) and the uncle being called "Karia Rasgulla." Let us tell you that this beautiful Mangal song has been written and sung by famous poet and story writer Neelotpal Mrinal.

Tom Cruise: The actor isn't saddened by the failure of "Digger," and who did he thank in his post?

Following the slow opening of "Digger" in theaters, Tom Cruise shared a post on social media to encourage his team. He also posted BTS photos from the shoot. Find out what the Hollywood actor posted... Tom Cruise's highly anticipated film "Digger" had a disappointing opening at the box office. However, the film's performance didn't dampen the actor's enthusiasm. He shared a BTS photo on social media along with an emotional post for the team. What is Tom Cruise's post? - Last Saturday, Tom Cruise shared a post on Instagram, in which he shared several BTS photos from the film. He accompanied these photos with a loving caption for his team. Tom wrote, "Digger is officially in theaters, and I am so proud to have had the opportunity to make this film with such a talented cast. Thank you to the entire cast and crew for their dedication, hard work, and enthusiasm." This experience was truly unforgettable and I am very proud of what we have created. Collection of the film 'Digger' - The film Digger collected Rs 65 lakh on its opening day in India. On the second day, the film earned Rs 45 lakh. The film has grossed a total of Rs 1.10 crore in India in two days. However, it has become the lowest grossing Hollywood film in the last few months. Cast of the film 'Digger' - Tom Cruise's film 'Digger' has been released in theatres on 2 October 2026. Tom has played the role of Digger Rockwell in it. Sandra Hüller, John Goodman, Michael Stuhlbarg, Jesse Plemons, Sophie Wilde, Riz Ahmed and Emma D'Arcy are also playing important roles in this film.

Arbaaz Khan remained silent when Salman Khan was mentioned, and was seen walking away angrily.

Recently, actor Arbaaz Khan attended an event in Mumbai. When asked a question about Salman Khan, he was seen walking away angrily. A video of the incident is now going viral. Find out what the whole matter is. Arbaaz Khan recently attended an event for a jewelry brand. He also interacted with the media and answered their questions. However, the situation became serious when he was asked about his brother Salman Khan. A video of this has also surfaced. What is the whole matter? - In the video, paparazzi can be seen questioning Arbaaz Khan about Salman Khan's trolling statement. However, Arbaaz became angry and left as soon as Salman's name was mentioned. Instead of answering the question, Arbaaz said angrily, "Excuse me... Thank you, thank you." He then moved on to pose for photos. After a while, Arbaaz turned back to the paparazzi and asked, "Was it related to jewelry?" Was that question related to today's event?' That means, was that question related to jewellery and was this question related to today's event. Now the video of this entire incident is going viral on social media. What did Salman say? Salman Khan recently came out in defense of his younger brother Sohail Khan. Social media users were trolling him for Sohail's changed look. On this, Salman talked about the issue of body shaming in the recent episode of Bigg Boss 20. Salman appealed to people to look at themselves before commenting on someone's looks or body. He said that before commenting on someone else's appearance, people should also think about themselves.

Kyunki Saas Bhi Kabhi Bahu Thi 2: Will Tulsi and Mihir's show be discontinued? Ekta Kapoor shares post

There has been talk of the closure of Amar Upadhyay and Smriti Irani's show, "Kyunki Saas Bhi Kabhi Bahu Thi 2," for quite some time. Ekta Kapoor recently shared a post. The popular serial "Kyunki Saas Bhi Kabhi Bahu Thi," created a stir in the television world when it premiered in 2000. It was a massive TRP hit. Whether it was Tulsi (Smriti Irani) or Mihir (Amar Upadhyay), its characters became household names. It ended in 2008. Then, last year, its second season arrived, which was also well-received by audiences. Now, news of its closure has emerged. Will "Kyunki Saas Bhi Kabhi Bahu Thi 2" end? "Kyunki Saas Bhi Kabhi Bahu Thi 2" premiered on July 29, 2025. This time, it streamed on OTT platforms along with TV. Most of the cast from the first installment remained a part of the show, along with some new stars joining the new generation. This time too, the show received immense love. However, there is talk that the show is about to say goodbye. Amidst rumors of its closure, the show's producer, Ekta Kapoor, also shared a post. What did Ekta Kapoor say? Ekta Kapoor recently shared a post on her Instagram account. She shared a video with the serial's team. The caption reads, "My heartfelt thanks to everyone involved in this work. I just finished writing the last episode of 'Kyunki...'. Is this really the last one?" Ekta Kapoor mentioned the final episode, but also left a question. Netizens are asking, is the show really ending? When will the last episode air? Actress Barkha Bisht, who played Noyna in 'Kyunki Saas Bhi Kabhi Bahu Thi 2,' commented and thanked Ekta Kapoor. Meanwhile, some viewers are urging Ekta not to cancel the show. According to media reports, the final episode of "Kyunki 2..." will air on October 20th. After this, there is talk of a new serial, "Apsara," replacing it.